▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 111 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 15-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा : नीतीश कुमार

6 आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत हैं भगवान बिरसा मुंडा

7 रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

फर्स्ट टेक

प्रधानमंत्री पीएम-किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत पात्र किसानों को सालाना 6,000 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी जो एक केंद्र सरकार की योजना है। इसमें प्रत्येक पात्र किसान परिवार को 6,000 रुपए की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कृषि मंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री 19 नवंबर, 2025 को पीएम-किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे।

एआई आधारित 'हैकिंग' अभियान चला रहा चीन

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका में शोधकर्ताओं के एक दल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से स्वचालित तरीके से बड़े पैमाने पर 'हैकिंग' अभियान चलाए जाने के एक कथित प्रयास का खुलासा किया है। एआई कंपनी 'एंथ्रोपिक' ने ऐसे ही एक 'हैकिंग' अभियान को विफल करने का दावा किया जिसके तार उसके शोधकर्ताओं ने चीन सरकार से जोड़े हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 'हैकिंग' अभियानों को अंजाम देने के लिए एआई प्रणाली का इस्तेमाल किया गया, जिसे शोधकर्ताओं ने परेशान करने वाला घटनाक्रम बताया है, जो एआई से लैस हैकरों की पहुंच को काफी हद तक बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि साइबर हमलों को अंजाम देने के लिए एआई के इस्तेमाल के बारे में चिंताएं नई नहीं हैं, लेकिन ताजा अभियान ने इस बात को लेकर फिक्र बढ़ा दी है कि एआई किस हद तक कुछ काम को स्वचालित रूप से करने में सक्षम है।

डीआरडीओ ने 'मैन-पोर्टेबल ऑटोनोमस अंडरवॉटर व्हीकल' विकसित किए

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने वास्तविक समय में बारूदी सुरंग जैसी वस्तुओं का पता लगाने के लिए नई पीढ़ी के 'मैन-पोर्टेबल ऑटोनोमस अंडरवाटर व्हीकल (एमपी-एयूवी)' विकसित किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि इस प्रणाली में पानी के भीतर चलने वाले कई स्वायत्त वाहन (एयूवी) शामिल हैं, जो वास्तविक समय में बारूदी सुरंग जैसी वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम साइड स्कैन सोनार और अत्याधुनिक कैमरों से लैस हैं। मंत्रालय ने कहा कि 'एमपी-एयूवी' के 'डीप लर्निंग' आधारित एल्गोरिद्म इस प्रणाली को स्वायत्त रूप से अलग-अलग तरह के लक्ष्यों को पहचानने में सक्षम बनाते हैं, जिससे संचालक पर काम का बोझ और मिशन को पूरा करने में लगने वाला समय काफी कम हो जाता है।

15-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 16-11-2025 सूर्योदय 6:18 बजे

BSE	NSE
84,562.78 (+84.11)	25,910.05 (+30.90)

सोना	चांदी
12,923 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	165,296 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जीता बि..हार

लालटेन बुझ गई पुनः,
कट गए हाथ निष्फल प्रहार।
अनुभूत नीतियों से नितीश,
हो गए कमल पर फिर सवार।
हो गया चिरागों से उजास,
चहुंओर मिट गया अंधकार।
हारे चाहे कोई भी पर,
जीता जन के मत से बिहार।।

243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में

राजग को तीन-चौथाई बहुमत

243 सदस्यीय सदन में गठबंधन ने अब तक 183 सीट जीत ली हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शुक्रवार को तीन-चौथाई बहुमत हासिल कर लिया। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताज़ा नतीजों के अनुसार 243 सदस्यीय सदन में गठबंधन ने अब तक 183 सीट जीत ली हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 83 सीट पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और छह सीट पर आगे है। उसके सहयोगी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 75 सीट जीती हैं और 10 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) ने 17 सीट जीतीं और दो पर आगे चल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने पांच सीट जीतीं, जबकि उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने तीन सीट जीतीं और एक पर आगे है।

राजग खेमे से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, राज्य सरकार के मंत्री प्रेम कुमार, महेश्वर हज़ारी, संजय सरावगी और भाजपा उम्मीदवार मैथिली ठाकुर प्रमुख विजेताओं में शामिल हैं।

विपक्षी कैंप की ओर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और 'इंडि' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव, दिवंगत मोहम्मद शाहाबुद्दीन के पुत्र ओसामा शाहाब और भाकपा (माले) लिबरेशन के संदीप सौरव प्रमुख विजेताओं में रहे।

'इंडि' गठबंधन अब तक केवल 32 सीट जीत सका है। राजद ने 23 सीट जीतीं और दो पर बढ़त बनाए रखी है, जबकि कांग्रेस ने छह सीट जीती हैं। भाकपा (माले) लिबरेशन को दो और माकपा को एक सीट मिली है।

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने पांच सीट जीतीं।

भाजपा और जदयू ने 101-101 सीट पर चुनाव लड़ा था, जबकि उनकी सहयोगी लोजपा (आरवी) 28 सीट पर मैदान में उतरी थी।

'इंडि' गठबंधन में राजद ने 141 सीट पर, कांग्रेस ने 61 और भाकपा (माले) लिबरेशन ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे।

विधानसभा चुनाव परिणाम 2025

भाजपा	जदयू	राजद	कांग्रेस	अन्य
89	85	25	6	38

कुल विधानसभा सीट : 243 बहुमत : 122

'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' की जीत : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचंड जीत की ओर बढ़ने को 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' (काम की राजनीति) और विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत करार देते हुए कहा कि इस राज्य की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति के लिये कोई जगह नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के लोगों ने जिस आशा और विश्वास के साथ राजग को जनादेश दिया है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी। उन्होंने कहा, ''ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक बिहार भूमि' की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहारवासियों द्वारा राजग को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की राजग की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है।''

बिहार का जनादेश सुशासन के लिए

अब पश्चिम बंगाल को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाएंगे : मोदी

यदि लोग भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को फिर से चुन रहे हैं, तो यह एक जन-समर्थक, शासन-समर्थक और विकास-समर्थक एजेंडे की स्थापना का प्रतीक है। यह भारतीय राजनीति में एक नये आधार को पेश करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिले भारी जनादेश की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल से 'जंगलराज' को उखाड़ फेंकने का शुक्रवार को संकल्प लिया और कहा कि जिस तरह गंगा नदी बिहार से होकर बंगाल में बहती है, उसी तरह इस जीत ने वहां भी भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया है।

यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित धन्यवाद समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने अन्य चुनावी राज्यों पर भी नजर रखते हुए कहा कि बिहार में मिली भारी जीत ने केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम और पश्चिम बंगाल के पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। उन्होंने कहा, ''बिहार की जीत ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया है। मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके समर्थन से भाजपा इस राज्य में भी 'जंगल राज' का खात्मा करेगी।'' प्रधानमंत्री ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन 'गमछा' लहराकर किया। इस दौरान 'मोदी-मोदी' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए गए।

इस मौके पर बिहार के लोगों से जुड़ने के प्रतीकात्मक संकेत के रूप में, प्रधानमंत्री मोदी ने मिथिला पेंटिंग वाला एक 'गमछा' पहना हुआ था और ''छठी मईया की जय'' के नारे के साथ अपना भाषण शुरू किया। मोदी ने कहा, ''बिहार की जनता ने इस भारी जीत और अपने अटूट विश्वास के साथ राज्य में गर्दा उड़ा दिया।'' उन्होंने बिहार में जीत को सुशासन की राजनीति के लिए जनादेश बताया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व समेत राजग के सभी के योगदान की सराहना की।

जिन्हें राम नाम से दिक्कत है, वे लाहौर की टिकट कटा लें : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। बागेश्वर बाबा के नाम से मशहूर कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को कहा कि जिन्हें राम नाम से दिक्कत है, वे लाहौर की टिकट कटा लें और अगर टिकट के पैसे नहीं हैं तो 'हमें बताएं, हम दोस्तों से कर्ज लेकर भी उनके लिए इंतजाम करा देंगे।'

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ब्रज में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक, गौहत्या पर प्रतिबंध, यमुना शुद्धीकरण, भारत हिन्दू राष्ट्र बने, श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर

भव्य मंदिर निर्माण, जातिभेद समाप्ति एवं वृन्दावन के प्राचीन स्वरूप को बनाए रखने जैसी सात सूत्रीय मांगों को लेकर दिल्ली से वृन्दावन तक 'सनातन एकता पदयात्रा' कर रहे हैं और बृहस्पतिवार को मथुरा की सीमा में प्रवेश कर कोसीकलां में रात्रि विश्राम किया था।

वह शुक्रवार सुबह पड़ाव स्थल से आगे की यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व पदयात्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''जिन्हें वंदे मातरम बोलने से दिक्कत हो, राम नाम से दिक्कत हो, पदयात्रा से दिक्कत हो, वे लाहौर की टिकट जल्दी कटवा लें। अगर पैसा न हो, तो भले ही दूसरों से कर्जा लेना पड़े, हम उनके टिकट का इंतजाम जरूर करवा देंगे।''

उन्होंने स्पष्ट किया, ''हम मुसलमानों के विरोधी नहीं हैं। हम उनके विरोधी हैं जो राम और राष्ट्र का नहीं हो सकता। हम उनके विरोधी हैं जो खाते भारत का हैं और गुणगान उन लोगों (यहां उनका आशय पाकिस्तान से था) का करते हैं।

बुनियादी ढांचे, निवेश, कौशल विकास में

पूर्वोत्तर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे, निवेश, कौशल विकास और डिजिटल विस्तार के मामले में पूर्वोत्तर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) कोहिमा में छात्रों और युवा पेशेवरों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।

इस दौरान प्रतिभागियों ने 'एक्ट ईस्ट' नीति, उभरती प्रौद्योगिकियों, महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण और डिजिटल समावेश से जुड़े सवाल किए।

ऋषभ सेठी ने नवाचार और व्यापार के लिए 'एक्ट ईस्ट' नीति का लाभ उठाने के

बारे में एक सवाल पूछा। इसके जवाब में वित्त मंत्री ने कहा, ''विकास, कौशल और निवेश के संदर्भ में पूर्वोत्तर को नीति के केंद्र में रखा गया है।'' उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को अब मजबूत संपर्क, बेहतर डिजिटल बुनियादी ढांचे और व्यापक बाजार पहुंच का समर्थन प्राप्त है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में राजमार्गों, हवाई अड्डों, डिजिटल नेटवर्क और लॉजिस्टिक में तेजी से सुधार हो रहा है।

सीतारमण ने कहा, ''क्षमताओं में वृद्धि हुई है... और डिजिटल क्षमताएं बहुत तेजी से बढ़ रही हैं। दक्षिण पूर्व एशिया के साथ भारत के जुड़ाव के लिहाज से इस क्षेत्र का विशेष महत्व है।''

एआई और रोबोटिक्स के बीच भारत के डिजिटल भविष्य पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की छात्रों की आकांक्षा की प्रशंसा की। उन्होंने युवाओं को नकारात्मक प्रभावों, विशेष रूप से नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सावधान रहने के लिए आगाह किया।

बिहार में राजग की जीत प्रगतिशील शासन में लोगों के विश्वास को दर्शाती है: चंद्रबाबू नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत प्रगतिशील शासन देने की उसकी क्षमता में लोगों के विश्वास को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की दृष्टि को भी दर्शाती है। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार में राजग की शानदार और ऐतिहासिक जीत प्रगतिशील शासन देने की उसकी क्षमता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की दृष्टि में लोगों के निरंतर विश्वास को दर्शाती है।'' राजग के सहयोगी और केंद्र में इसके एक प्रमुख घटक दल तेदेपा के प्रमुख ने नीतीश कुमार तथा भाजपा और जद(यू) के सभी 'विजेताओं' को बधाई दी। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी राजग को बधाई देते हुए कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली विकासोन्मुखी सरकार को बनाये रखने के लिए स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है।

भारत में हर 50 दिन में एक नया हवाई अड्डा खोला जाता है : नागर विमानन मंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत में हर 50 दिन में एक नया हवाई अड्डा खोला जाता है, जो दुनिया में कहीं भी अभूतपूर्व है।

दो दिवसीय सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन-2025 के 30वें संस्करण को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश में वर्तमान में सात हवाई अड्डे हैं और राज्य में इतनी ही संख्या में हवाई अड्डे बनाए जा रहे हैं।

नायडू ने कहा, प्रत्येक 50 दिन में हम एक नया हवाई अड्डा खोल रहे हैं, जो विश्व में कहीं भी अभूतपूर्व है और हवाई अड्डों के निर्माण, यात्री क्षमता तथा विमानन के कई अन्य क्षेत्रों में हमने इसी प्रकार की सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि राज्य में चार उड़ान प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं तथा विशाखापत्तनम में एक एमआरओ पारिस्थितिकी तंत्र और एक विमानन कौशल विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि राज्य में 'ड्रोन सिटी' बनाकर ड्रोन क्षेत्र का विस्तार किए जाने की उम्मीद है तथा एयरोस्पेस और विमान विनिर्माण को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

दिल्ली के द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 23 विदेशी नागरिकों को वापस भेजने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को द्वारका में कथित तौर पर अवैध रूप से ठहरे 23 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है और उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, जिले में उन विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए जांच को तेज किया गया, जो अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक देश में रुके हुए हैं या वैध दस्तावेज के बिना भारत में रह रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने तक चले इस अभियान के दौरान बिंदापुर, डाबरी और मोहन गार्डन पुलिस थानों की टीमों ने 23 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया।

इन 23 लोगों में से 15 नाइजीरिया, चार सेनेगल, दो आइवरी कोस्ट, एक तंजानिया और एक लाइबेरिया का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद सभी विदेशी नागरिकों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें निष्कासित करने का आदेश दिया।

जीवन का परम लक्ष्य केवल प्रभु भक्ति और आत्मा मुक्ति होना चाहिए : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजाजीनगर जैन स्थानक में विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु की भक्ति के बिना मनुष्य को मुक्ति नहीं मिलती। भक्ति ही वह सेतु है जो आत्मा को संसार के पार मोक्ष के तट तक पहुँचाती है। भक्ति केवल पूजा या उपासना का रूप नहीं है, बल्कि यह आत्मा की जागृति का माध्यम है। जब मनुष्य सच्चे भाव से प्रभु की शरण में आता है, तब उसके जीवन से अज्ञान, अहंकार और अशांति स्वतः मिट जाती है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपने जीवन का निर्माता स्वयं होता है। भाग्य कोई बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि अपने ही कर्मों का प्रतिफल है। जैसा कर्म किया जाएगा, वैसा ही फल प्राप्त होगा। अच्छे कर्म सुखद परिणाम लाते हैं और बुरे कर्म दुखद अनुभव। कर्म सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि कर्म बीज के समान हैं, जो बोओगे, वही उगेगा और वही फल पाओगे। संतश्री ने भक्ति को जीवन का सबसे ऊँचा साधन बताते हुए कहा कि भक्ति के बिना ज्ञान अधूरा है और बिना ज्ञान के भक्ति अंधी। जब दोनों का समन्वय होता है, तभी आत्मा मोक्ष की दिशा में अग्रसर होती है। उन्होंने कहा कि जीवन का परम लक्ष्य केवल प्रभु की भक्ति और आत्मा की मुक्ति है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री रूपेशमुनिजी के भावपूर्ण भजनों से हुआ।

उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी महाराज ने मंगल पाठ प्रदान किया।

शांतिनाथ स्कूल के इंट्रक्ट क्लब और विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। स्थानीय जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल के इंट्रक्ट क्लब और हाईस्कूल की विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया। शुक्रवार को निवर्तमान मंत्री प्रतापसिंह राठौड़ ने वर्ष 2025-26 की प्रमुख दिव्या रावल को अधिकार हस्तांतरित किया। मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब ऑफ मिड टाऊन के धीरज मदान व स्कूल के पदाधिकारियों ने विद्यार्थी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। इंट्रक्ट क्लब के अध्यक्ष के रूप में दिव्या रावल, उपाध्यक्ष पूजा कुमारी प्रजापत, मंत्री मंजू कुमारी प्रजापति, सहसचिव पूनम राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष नरपत प्रजापत तथा शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल के विद्यार्थी परिषद के प्रधान सचिव कुलदीपसिंह राजपूत, उपप्रधान सचिव रेखा चौधरी, शिक्षा सचिव रीतिका चौधरी, खेल सचिव सुरेश देवासी आदि ने शपथ ली।

मंजुकुमारी प्रजापत ने स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक विलास पुदाल ने सभी का स्वागत किया। नेहा मालवीय व अनिता देवासी ने संचालन किया।

भारत सभी देशों का मित्र है, किसी पर अपनी शर्तें नहीं थोपता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/ भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी देश पर अपनी शर्तें नहीं थोपता और न ही किसी का आदेश सुनना पसंद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत हमेशा सभी देशों के साथ मित्रवत रहा है और वह हर देश के साथ समान व्यवहार करना चाहता है।

उपराष्ट्रपति ने यहां सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन में कहा, ''हम कभी किसी पर अपनी शर्तें थोपना नहीं चाहते, यही हमारी महानता है। इसी तरह हम कभी किसी का आदेश सुनना भी नहीं चाहते। हम एक-दूसरे के पूरक बनना चाहते हैं। हम साथ-साथ बढ़ना चाहते हैं। यही भारत की सबसे बड़ी नीति है। भारत आज विकास कर रहा है और साथ ही भारत सभी के साथ मित्रवत है। हम सभी को एक साथ बढ़ना चाहिए, दूसरों की कीमत पर नहीं, बल्कि एक-दूसरे के हितों की रक्षा करके।'' भारत में निवेश के माहौल के बारे में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

बिहार चुनाव के लिए मुझे आमंत्रित नहीं किया गया, पार्टी की हार की समीक्षा होनी चाहिए : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें बिहार चुनाव में प्रचार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अपनी हार के कारणों की जांच करेगी। बिहार चुनाव के नतीजों के बाद पत्रकारों से बातचीत में थरूर ने कहा कि पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह इस हार के कारणों का विस्तार से अध्ययन करे। उन्होंने कहा, याद रखें, हम गठबंधन में वरिष्ठ सहयोगी नहीं थे और राजद को भी अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा।

उनके अनुसार, बिहार जैसे जनादेश में, पार्टी के समग्र प्रदर्शन की जांच करना महत्वपूर्ण है। थरूर ने कहा कि चुनाव कई कारकों पर निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा, जाहिर है, जनता का मूड भी मायने रखता है। संगठन की ताकत और कमजोरियों पर सवाल हैं। संदेश देने का सवाल है। इन मुद्दों पर गौर करना होगा। थरूर ने कहा कि नतीजों का गहन विश्लेषण किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ''मैं वहां नहीं था और मुझे बिहार में प्रचार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। इसलिए मैं अपने निजी अनुभव से ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। जो लोग वहां थे, वे निश्चित रूप से नतीजों का अध्ययन करेंगे।'' इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम एम हसन ने पार्टी में वंशवाद की राजनीति के खिलाफ अपने हालिया लेख के लिए थरूर की तीखी आलोचना की। एक अन्य कार्यक्रम में, हसन ने कहा कि सांसद नेहरू परिवार के समर्थन से राजनीति में आए और उन्हीं की बदौलत उन्हें सारे पद और प्रसिद्धि मिली। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान 'प्रोजेक्ट सिंडिकेट' के लिए हाल में लिखे लेख में, तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा था कि राजनीतिक परिदृश्य में 'वंशवादी राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा' है।

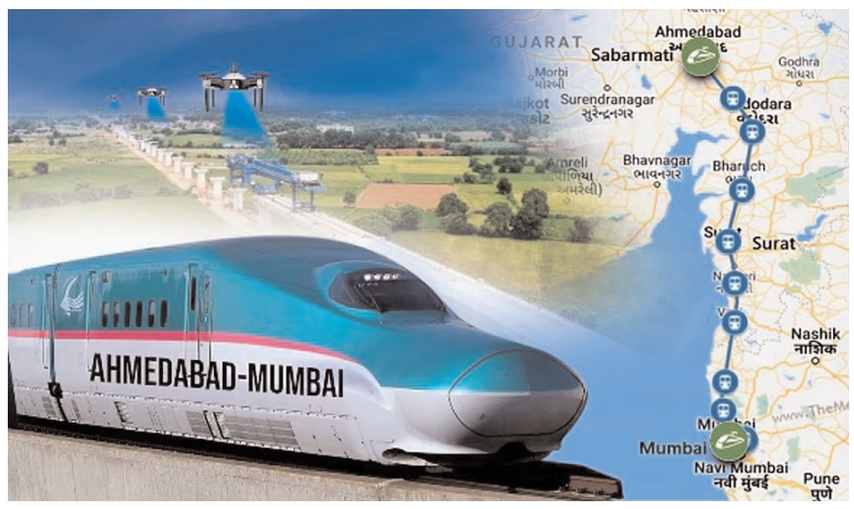

गुजरात में बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए गुजरात का दौरा करेंगे।

वह सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा करेंगे और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यह भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है और देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है। एमएएचएसआर 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 352 किलोमीटर हिस्सा गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में और 156 किलोमीटर महाराष्ट्र में है। यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा, जो भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक परिवर्तनकारी कदम है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित इस परियोजना में 465 किलोमीटर (मार्ग का लगभग 85%) वायडक्ट पर है, जिससे न्यूनतम भूमि व्यवधान और बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होती है। अब तक, पुल का 326 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और 25 में से 17 नदी पुलों का निर्माण हो चुका है। यह परियोजना पूरी होने पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देगी।

बडगाम उपचुनाव में पीडीपी उम्मीदवार की जीत, नेकां को इस सीट पर पहली बार हार मिली

बडगाम/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बडगाम विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार को पीडीपी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतजिर ने जीत दर्ज की।

इसके साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को बडगाम विधानसभा क्षेत्र में अपनी पहली चुनावी हार का सामना करना पड़ा। मुंतजिर ने उपचुनाव में सत्तारूढ़ नेकां से यह सीट छीन ली।

मुंतजिर की जीत के साथ ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीडीपी के विधायकों की संख्या चार हो गई है। वर्ष 1957 में हुए पहले विधानसभा चुनाव के बाद से यह पहली बार है जब नेकां अपने गढ़ मध्य कश्मीर के बडगाम में हारी है। जब भी नेकां ने इस शिया बहुल क्षेत्र से उम्मीदवार उतारा है, उसने बडगाम में हर विस चुनाव जीता है। नेकां ने इस सीट का प्रतिनिधित्व केवल 1972 में नहीं किया था, जब पार्टी ने पूरे जम्मू-कश्मीर में चुनावों का बहिष्कार किया था।

बीड सरपंच हत्याकांड

मकोका अदालत ने चार आरोपियों को आरोप मुक्त करने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के बीड की एक विशेष अदालत ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में चार आरोपियों को उनके खिलाफ मुकदमे को आगे बढ़ने के लिए 'पर्याप्त आधार' बताते हुए आरोपमुक्त करने से इनकार कर दिया। मकोका न्यायाधीश वीएच पटवाडकर ने 11 नवंबर को एक आदेश में कहा कि आरोपी एक संगठित अपराध सिंडिकेट के सदस्य प्रतीत होते हैं और लगातार गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का पिछले साल नौ दिसंबर को अपहरण कर लिया गया था और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी व मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड सहित आठ लोगों को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत गिरफ्तार किया गया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, कराड और अन्य आरोपियों ने निजी फर्म अवाडा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। अभियोजन पक्ष ने बताया कि आरोपियों ने फिरौती नहीं देने पर कंपनी का काम बंद कराने की कथित तौर पर धमकी दी थी। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि कराड और अन्य आरोपियों ने कथित तौर पर साजिश रची, अपहरण किया और हस्तक्षेप करने पर देशमुख पर जानलेवा हमला किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने देशमुख के शव को दैथाना फाटा में फेंक दिया और भाग गए।

मामले में चार आरोपियों प्रतीक घुले, सुधीर सांगले, महेश केदार और जयराम चाटे ने यह दावा करते हुए मामले से बरी करने का अनुरोध किया था कि वे निर्दोष हैं और उन्हें राजनीतिक मंशा के कारण झूठे मामले में फंसाया गया है'। आरोपी याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उनके खिलाफ मकोका के तहत कोई मामला नहीं बनता। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने कहा कि अगर याचिकाकर्ताओं को बरी कर दिया गया तो वे समान या बड़े अपराध दोहराएंगे। निकम ने अदालत से कहा, उनके (आरोपियों के) खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं।

अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि गवाहों के बयान और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज प्रथम दृष्टया, उक्त अपराधों में अभियुक्तों की संलिप्तता दर्शाते हैं'। अदालत ने फैसला सुनाया, इसलिए प्रथम दृष्टया अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त आधार हैं। इसलिए अभियुक्त बरी किए जाने के हकदार नहीं हैं।

आरआईएल आंध्र में एआई डेटा सेंटर, सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगी : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) राज्य में एक गीगावाट का 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर' स्थापित करेगी। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि प्रस्तावित एआई डेटा सेंटर को स्थायी रूप से बिजली प्रदान करने के लिए रिलायंस राज्य में छह गीगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना भी विकसित करेगी। यह आंध्र प्रदेश की वर्तमान भू-स्थित सौर ऊर्जा क्षमता को दोगुना कर देगा, नवीकरणीय ऊर्जा में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान देगा तथा आंध्र प्रदेश की विशाल सौर क्षमता को दर्शाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'रिलायंस राज्य में एक गीगावाट का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर' स्थापित करेगी। यह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिए तैयार सुविधा है जिसे दुनिया के सबसे उन्नत जीपीयू, टीपीयू और एआई प्रोसेसर' को संभालने के हिसाब से तैयार किया जाएगा। यह जामनगर में उनके 'गीगावाट-स्केल एआई डेटा सेंटर के जुड़वा' (ट्विन) के रूप में काम करेगा जो एशिया के सबसे मजबूत 'एआई इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क' में से एक का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रिलायंस, रायलसीमा में एक ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड फूड पार्क का निर्माण करेगी जो एक विश्व स्तरीय स्वचालित सुविधा है। इससे हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न होंगी और हजारों परिवारों के लिए निरंतर आय के अवसर मिलेंगे।

नायडू ने कहा, 'इन ऐतिहासिक घोषणाओं के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी को हार्दिक धन्यवाद। यह आंध्र प्रदेश की नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा नेतृत्व एवं समावेशी विकास की यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है।'' इससे पहले विशाखापत्तनम में '30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कृषि से लेकर हरित ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और कई अन्य क्षेत्रों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। नायडू ने कहा, ''बहुत सारे अवसर हैं। आपके पास संसाधन, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी जानकारी है। आइए, और हमारे साथ मिलकर काम कीजिए।'' उन्होंने कहा कि राज्य कृषि, बागवानी, दुग्ध, कॉफी, मसालों और कई अन्य क्षेत्रों में मजबूत स्थिति में है। नायडू ने यहां सीआईआई शिखर सम्मेलन में आरआईएल के कार्यकारी निदेशक एवं निदेशक मंडल के सदस्य पीएमएस प्रसाद तथा समूह के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात भी की। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार एवं आरआईएल ने नायडू, आईटी तथा उद्योग मंत्री नारा लोकेश और पीएमएस प्रसाद की उपस्थिति में परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने कृत्रिम मेधा (एआई) तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के अपने लक्ष्य पर प्रकाश डाला। माईजियो' मंच के माध्यम से छात्रों, किसानों, उद्यमियों और परिवारों को पेशेवर स्तर के एआई उपकरण प्रदान करने की जानकारी दी। प्रसाद ने कहा, ...रिलायंस यहां केवल निवेश करने के लिए नहीं है। हम यहां निर्माण करने के लिए हैं।

कोल इंडिया की इकाइयों की सूचीबद्धता पर बाजार अध्ययन जारी : जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली/भाषा। कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि कोल इंडिया की इकाइयों बीसीसीएल और सीएमपीडीआई की सूचीबद्धता के संबंध में बाजार अध्ययन जारी है और सही समय पर उन्हें बाजार में लाया जाएगा। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और कोल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) ने कुछ महीने पहले अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ-साथ बीएसई तथा एनएसई के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में खान मंत्रालय के मंडप के उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''हम बाजार अध्ययन कर रहे हैं और उसके बाद सही समय पर सूचीबद्ध होने के लिए आगे बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''चूंकि हमारे विशेषज्ञ और परामर्श एजेंसियां बाजार अध्ययन कर रही हैं इसलिए उनके निर्णय लेने के बाद ही हम सूचीबद्ध होने के लिए आगे बढ़ेंगे।''

जश्न

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत का जश्न सभी राज्यों में मनाया गया। बेंगलूरु के मल्लेश्वरम् स्थित कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय के समक्ष विपक्ष के नेता आर अशोक लोगों को लड्डू खिलाकर जीत का जश्न मनाते हुए।

सिद्दरामय्या ने दावा किया

बिहार में भी 'वोट चोरी' हुई है !

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में भी ''वोट चोरी'' हुई है, जहां विधानसभा चुनावों के लिए जारी मतगणना में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बहुमत के आंकड़े को पार करता दिखायी दे रहा है। बहरहाल, उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक कांग्रेस-राजद गठबंधन की हार और राजग के बहुमत की ओर बढ़ने के कारणों की जानकारी नहीं मिली है। बिहार में महागठबंधन को मिली हार के बारे में पूछे गए एक सवाल पर सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं से कहा, हमें लोगों के जनादेश को स्वीकार करना होगा। मुझे नहीं पता कि हार का कारण क्या है। मैं वहां (बिहार) नहीं गया था। मुझे नहीं पता कि किसने (हमें) वोट नहीं दिया, राजग ने इतने बड़े बहुमत से जीत क्यों हासिल की। ''मैं जानने

की कोशिश करूंगा।'' यह पूछे जाने पर कि बिहार में ओबीसी वोट निर्णायक होने के बावजूद मतदाता कांग्रेस पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता। नीतीश कुमार कौन हैं? क्या वह ओबीसी नहीं हैं?'' बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के वोट चोरी' के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने वहां भी चोरी की है। हालांकि, उन्होंने कोई ब्यौरा नहीं दिया।

कर्नाटक में कथित वोट चोरी के मामले में पश्चिम बंगाल से युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों में अलंद क्षेत्र में वोट चोरी के आरोपों की जांच कर रही सीआईडी ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। विभाग के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 वर्षीय बापी आद्या को बुधवार को गिरफ्तार किया गया और बेंगलूरु लाया गया। सीआईडी ने उसे पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में ले लिया है।

सूत्रों ने बताया कि उसने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में कई वोटों को हटाने के लिए आवेदन किया था। अलंद के कांग्रेस विधायक बी आर पाटिल के अनुसार, ज्यादातर अनुरोध अल्पसंख्यक और पिछड़ी जाति के वोटों को हटाने के लिए किए गए थे। राज्य

के मंत्री प्रियंक खरगे और पाटिल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मतदाताओं के नाम हटाने के अनियमित अनुरोधों के बारे में जानने के बाद, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। पाटिल ने लगभग 10,000 मतों के अंतर से चुनाव जीता था। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 18 सितंबर को एक प्रेस वार्ता में 'वोट चोरी' के आरोप दोहराते हुए निर्वाचन आयोग पर मामले की जांच न करके आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया।

देवेगौड़ा ने बिहार चुनाव में जीत के लिए राजग को बधाई दी, कहा विपक्ष का झूठा विमर्श पराजित हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने वाले राजग को बधाई देते हुए जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष के झूठे आख्यान पराजित हो गए हैं। उन्होंने विपक्ष से अपने ''भ्रम'' से बाहर आने का आह्वान किया। शुक्रवार को राजग 243 सीटों में से करीब 200 सीटों पर आगे चल रहा है, जबकि भाजपा बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

गौड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं बिहार चुनाव में राजग की भारी जीत के लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार (जदयू नेता और मुख्यमंत्री) प्रशंसा के पात्र हैं। मुझे इस बात की भी खुशी है कि चिराग पासवान (लोक जन शक्ति पार्टी के) ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, विपक्ष के झूठे आख्यान पराजित हो गए हैं। उन्हें कम से कम अब अपने भ्रम से बाहर आना चाहिए। देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली जद(एस) भी राजग का हिस्सा है। भाजपा और जद(एस) ने 2023 में गठबंधन किया था और कर्नाटक में 2024 का लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में चुनाव हुए थे।

बिहार चुनाव नतीजे के बाद कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन के लिए नयी रणनीति बनाने की जरूरत : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के मद्देनजर भविष्य में कांग्रेस और इंडिया' गठबंधन के लिए एक नयी रणनीति तैयार करने की आवश्यकता बताई। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज्य विधानसभा चुनावों की मतगणना में बढ़त बनाने के मद्देनजर उन्होंने यह बात कही। कांग्रेस की कर्नाटक

इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने बिहार चुनाव नतीजे को अपनी पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए ''एक सबक'' बताया।

शिवकुमार ने पीटीआई वीडियो' से कहा, ''जनता ने जनादेश दिया है। यह हमारे लिए एक सबक है। मुझे लगता है कि भविष्य में हम कांग्रेस पार्टी और इंडिया' गठबंधन के लिए एक नयी रणनीति तैयार करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या महिलाओं को 10,000 रुपये के प्रत्यक्ष नकद अंतरण (डीबीटी) और महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि बिहार चुनावों में राजग के शानदार प्रदर्शन की वजह है, उन्होंने कहा, ''मुझे इस पर गौर करने दीजिए। मुझे अभी तक विस्तृत रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद मैं इस पर बात करूंगा।'' बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान हुआ था।

पद्मश्री से सम्मानित वृक्ष देवी (सालूमरदा) थिमक्का का 114 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और पर्यावरणविद् 'सालूमरदा' थिमक्का का शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि 114 वर्षीय थिमक्का काफी समय से बीमार थीं और अस्पताल में भर्ती थीं, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। तीस जून, 1911 को जन्मीं थिमक्का को बेंगलूरु दक्षिण जिला मुख्यालय रामनगर में हुलिकल व कुदुर के बीच 4.5 किलोमीटर के क्षेत्र में 385 बरगद के पेड़ लगाने के लिए 'सालूमरदा' (वृक्ष की देवी) की उपाधि दी गई। बिना किसी औपचारिक शिक्षा के थिमक्का ने वृक्षारोपण अभियान शुरू किया। वह पेड़ों को अपने बच्चों की तरह मानती थीं ताकि जीवन में निःसंतानता के कारण आए खालीपन को भर सकें।

अपने काम के लिए उन्हें 12 पुरस्कार मिले। उन्हें पद्मश्री (2019), हम्पी विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने वाले नादोजा पुरस्कार (2010), राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार (1995) और इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार (1997) से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शोक संदेश में कहा, सालूमरदा थिमक्का के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। थिमक्का ने हजारों पेड़ लगाए और उन्हें अपने बच्चों की तरह पाला। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही थिमक्का स्वर्ग सिधार

शुक्रवार को थिमक्का को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

गई हों, लेकिन पर्यावरण के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें अमर बना दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, उनके पुत्र व केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, कर्नाटक के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और कई राजनीतिक नेताओं ने थिमक्का के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सिद्दरामय्या ने बागलकोट में गन्ने से लदे ट्रैक्टरों में आगजनी की घटना के जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि इस जिले में गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में आगजनी की घटना की जांच की जाएगी ताकि इसके जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जा सके। अपनी उपज के लिए 3,500 रुपये प्रति टन दाम की मांग कर रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान बृहस्पतिवार शाम को यह घटना हुई। रबकवी बनहट्टी तालुक में एक कारखाने की ओर जा रही गन्ना लदी कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में उपद्रवियों द्वारा कथित तौर पर आग लगाने के बाद बागलकोट के कुछ हिस्सों में तनाव व्याप्त हो गया। सिद्दरामय्या ने कहा, लगभग सभी किसानों ने 3,300 रुपये प्रति टन के हिसाब से गन्ना खरीद मूल्य को स्वीकार कर लिया लेकिन केवल मुधोल के किसान ही इससे सहमत नहीं हैं और उनके साथ चर्चा की जा रही है।''

विशेष एसएलबीसी बैठक विधान सौधा में हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की 172वीं एसएलबीसी बैठक शुक्रवार को दोपहर ढाई बजे और 173वीं विशेष एसएलबीसी बैठक शाम को विधान सौधा में हुई। इनकी अध्यक्षता कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश ने की। इनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त उमा महादेवन, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक भावेंद्र कुमार, वित्त विभाग में सरकार के सचिव डॉ. विशाल आर, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग के सचिव समीर शुक्ला, आरबीआई की क्षेत्रीय निदेशक काया त्रिपाठी, नाबार्ड के महाप्रबंधक पीसी दास, केनरा बैंक के मुख्य महाप्रबंधक शंभू लाल, केनरा बैंक के महाप्रबंधक भास्कर चक्रवर्ती एम, विभिन्न बैंकों के राज्य नियंत्रण प्रमुख और लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

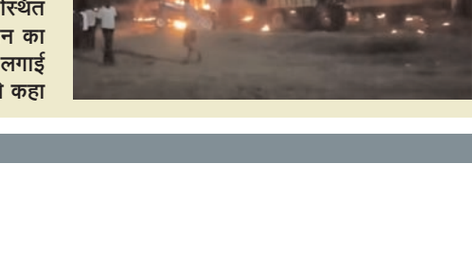

भावेंद्र कुमार ने बताया कि 30 सितंबर तक कृषि क्षेत्र के अंतर्गत 2,22,203 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 1,16,105 करोड़ रुपए प्राप्त किए गए और दूसरी तिमाही में आवंटित लक्ष्य का 52 प्रतिशत हासिल किया गया। एमएसएमई के अंतर्गत बैंकों ने 69 प्रतिशत तथा कुल प्राथमिकता क्षेत्र में 56 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव ने कुल ऋण, कुल जमा, प्राथमिकता क्षेत्र लक्ष्य उपलब्धियों, विभिन्न उप-क्षेत्रों के अंतर्गत बैंकवार और जिलावार राज्य के प्रदर्शन की समीक्षा की। उन्होंने बैंकरों और सरकारी विभागों को विकास संबंधी गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एकजुट होकर काम करने की सलाह दी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त ने सभी विकास योजनाओं की समीक्षा की और बैंकों को सभी लंबित आवेदनों का निपटारा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी बैंकरों से ग्राम पंचायतों में एनआरएलएम स्वयं सहायता समूह बीसी सखियों को बीसी एजेंट के रूप में शामिल करने की भी अपील की।

डॉ. विशाल आर ने जनसुरक्षा योजनाओं के दायरे में सभी पात्र आबादी को शामिल करने के महत्त्व पर जोर दिया और कृषि विभाग को विजयनगर जिले में 100 प्रतिशत केसीसी सैचुरेशन की निगरानी करने की सलाह दी।

काया त्रिपाठी ने डीईएएफ अभियान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सभी बैंकों को दावा न की गईं जमाओं के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। अभियान के दौरान दावा निपटान की गति बढ़ाने के लिए कहा।

दपरे के महाप्रबंधक ने सुब्रह्मण्यम रोड-हासन खंड में व्यापक निरीक्षण और यात्री संपर्क किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने शुक्रवार को सुब्रह्मण्यम रोड स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण में यात्री सुविधाओं, स्टेशन के बुनियादी ढांचे और समग्र सेवा गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। उनके साथ मैसूरु के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इस दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने सकलेशपुर घाट खंड के विद्युतीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और नए विद्युतीकृत खंड की तैयारी और सुरक्षा मानकों का आकलन किया। इसके अतिरिक्त, सुब्रह्मण्यम रोड और हासन के बीच एक विंडो-ट्राएंगल निरीक्षण किया गया, जिसमें खंड में सुचारू और सुरक्षित रेल यातायात सुनिश्चित करने के लिए ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली और अन्य परिचालन पहलुओं का निरीक्षण किया गया।

क्षेत्रीय दौरे के दौरान, मुकुल सरन माथुर और मुदित मित्तल ने सुब्रह्मण्यम रोड स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत की और सुविधाओं, सेवाओं और यात्रा अनुभव पर प्रतिक्रिया प्राप्त की। सुझावों पर गौर करने और सुधार के लिए समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षणों और जनसंवादों की यह श्रृंखला, बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने, विकास कार्यों में तेज़ी लाने और यात्री-केंद्रित सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रेलवे प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बागलकोट में आगजनी की घटना को पुलिस ने बताया पूर्व नियोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि जिले में गन्ने से लदी गाड़ियों में आगजनी पूर्व नियोजित थी, क्योंकि उपद्रवी पेट्रोल और अन्य ज्वलनशील पदार्थ साथ लाए थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आर. हितेंद्र के अनुसार, किसानों के प्रदर्शन में उपद्रवी घुस गए और आगजनी को अंजाम दिया। एडीजीपी ने जिले के समीरवाड़ी में स्थित एक चीनी मिल के पास उस स्थान का दौरा किया, जहां वाहनों में आग लगाई गई थी। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने कहा, गन्ना लदे वाहन जलाए गए। हमने मामला दर्ज किया है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वे पेट्रोल आदि साथ लाए थे। किसानों के आड़ में उपद्रवियों ने यह किया है। जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। एडीजीपी ने बताया कि जांच शुरू हो चुकी है और पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

बृहस्पतिवार शाम हुई आगजनी और हिंसा के बाद बागलकोट जिले के मुद्होल, जमखंडी, रबकवि, बनहट्टी तालुक में निषेधाज्ञा लागू की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस घटना में 30 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, चार बाइक और छह ट्रैक्टर इंजन क्षतिग्रस्त हुए। स्थिति नियंत्रण में है और क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जिले के प्रभारी मंत्री आर. बी. तिम्मापुर ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटना स्थल का दौरा किया।

इस बीच, विजयपुर जिले में किसानों ने गन्ना के उचित मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सिंदगी तालुक के यरगल केडी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-52 को जाम कर दिया और राजमार्ग पर टायर जलाए। उत्तरी कर्नाटक के गन्ना किसानों की मांग है कि गन्ने का मूल्य कम से कम 3,500 रुपये प्रति टन तय किया जाए, जबकि राज्य सरकार ने 3,300 रुपये प्रति टन दर निर्धारित की है।

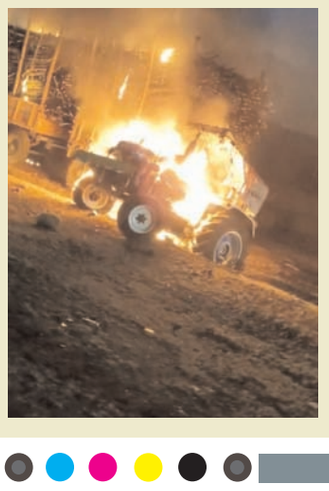

फाइल सं.-ए-12039/02/2025-स्था.III

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

विज्ञापन सं. डीएसटी/06/2025-स्था.III

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में वैज्ञानिकों के '03' (तीन) पदों (वैज्ञानिक 'सी' – '02' (दो) पद और वैज्ञानिक 'डी'– '01' (एक) पद) को सीधी भर्ती के आधार पर भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किएजाते हैं। आवेदन प्रक्रिया और अन्य सामान्य नियमों और आवश्यकताओं के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.dst.gov.in के प्रशासन और वित्त अनुभाग के अंतर्गत भर्ती प्रकोष्ठ वेबपेज पर जाकर विस्तृत विज्ञापन देखा जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया एवं चयन प्रक्रिया से संबंधित कोई भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र या अन्य अद्यतन के केवल विभागीय वेबसाइट (www.dst.gov.in) के माध्यम से सूचित किया जाएगा। अत: अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट देखते रहें।

अवर सचिव, भारत सरकार

CBC 36101/11/0011/2526

मरीजों को युगानुकूल, सस्ती और सुलभ चिकित्सा के लिए कार्य हो : हरिभाऊ बागडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि चिकित्सक मरीजों को युगानुकूल, सस्ती और सुलभ चिकित्सा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। उन्होंने यूरोलॉजी से संबद्ध वैश्विक चिकित्सा अनुसंधानों का लाभ सुदूर क्षेत्रों के आम लोगों को कैसे मिले, इसके लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल शुक्रवार को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूरोलॉजी से जुड़े मूत्र संक्रमण, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट संबंधी रोग आधुनिक असंयमित जीवन शैली की देन है। समय रहते इस तरह के रोगों के उपचार और इनसे जुड़ी जटिलताओं के बारे में चिकित्सकीय जागरूकता का प्रसार जरूरी है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा कार्य है। चिकित्सा कर्मी अपने ज्ञान व कौशल का उपयोग मानवता की सेवा में करें।

उन्होंने पिछड़े इलाकों, गांवों, आदिवासी व जनजाति क्षेत्रों में यूरोलोजी से संबद्ध रोगों की जानकारी के साथ उपचार की सेवाएं कैसे बढ़े, इस पर भी वृहद स्तर पर चिंतन करने का आह्वान किया।

जोधपुर में 'ट्रॉमा सेंटर' का चिकित्साधिकारी 3.70 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक टीम ने शुक्रवार को जोधपुर जिले में एक ट्रॉमा सेंटर' के चिकित्साधिकारी को कथित तौर पर 3.70 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जोधपुर जिले में 'राजकीय ट्रॉमा सेंटर', बिलाड़ा के चिकित्साधिकारी डॉ. बुधराज बिश्नोई को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने एक बयान में बताया कि परिवादी ने इस बारे में शिकायत दी थी कि डॉ. बिश्नोई द्वारा उसके भाई को फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति दिलाने के लिए तीन लाख रुपये व उसके दोस्त को सफाईकर्मी के पद पर नियुक्ति दिलाने के लिए 50,000 से एक लाख रुपये तक की रकम जोधपुर के मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी (ग्रामीण) डॉ. मोहनदान देथा को पहुंचाने के नाम पर मांगी जा रही थी।

ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी चिकित्साधिकारी को 3,70,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य नहीं कर सकेंगे 'प्राइवेट प्रेक्टिस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक अब 'प्राइवेट प्रैक्टिस' नहीं कर सकेंगे। राज्य सरकार ने इस बारे में नए दिशा निर्देश जारी किए हैं।

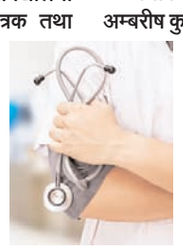

आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं इससे संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, अतिरिक्त प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों में अधीक्षकों की नियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं तथा ये दिशा-निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और इससे स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि परिपत्र के अनुसार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक 'प्राइवेट प्रैक्टिस' नहीं कर सकेंगे और वे अपने आचार्य या वरिष्ठ आचार्य जैसे पदीय कर्तव्यों के लिए एक चौथाई से ज्यादा समय नहीं देंगे।

इसी तरह चयनित प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक को विभागाध्यक्ष या 'यूनिट हैड' बनने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्हें आवेदन पत्र के साथ इस संबंध में घोषणा पत्र भी देना होगा और उन्हें यह भी शपथ पत्र देना होगा कि वे पीएमसी के पद पर पूर्णकालिक रूप से कार्य करेंगे।

राजस्थान की अंता विधानसभा सीट कांग्रेस के भाया ने जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस ने राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल कर ली है। इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया 15,612 वोट के बड़े अंतर से विजयी हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के बाद कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने लिटमस टेस्ट' में फेल रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार शुक्रवार को हुई मतों की गिनती में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मोरपाल सुमन दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें कुल 53,959 वोट मिले।

भाया को 69,571 व तीसरे स्थान पर रहे निर्दलीय नरेश मीणा को 53,800 वोट मिले। यानी भाजपा उम्मीदवार मोरपाल व निर्दलीय नरेश मीणा को मिले कुल वोटों का अंतर केवल 159 रहा। शुक्रवार को वोटों की गिनती की शुरुआत से ही भाया आगे चल रहे थे और मीणा उनसे पीछे थे। शुरुआती चरण में मोरपाल सुमन तीसरे नंबर पर थे। हालांकि, बाद में मोरपाल दूसरे और मीणा तीसरे नंबर पर पहुंच गए। इस जीत के साथ ही राज्य विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। हालांकि, विधानसभा में भाजपा को स्पष्ट बहुमत होने के कारण इस परिणाम से भजनलाल शर्मा सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राज्य की 200 सीट वाली विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के पास इस समय 118 सीटे हैं। इसके अलावा भारत आदिवासी पार्टी के पास चार, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पास दो और राष्ट्रीय लोकदल के पास एक सीट है। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रहे भाया वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में अंता सीट पर भाजपा के कंवर लाल मीणा से 5,861 मतों के अंतर से हार गए थे।

बाद में भाजपा विधायक मीणा को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया तो इस सीट पर उपचुनाव कराया गया है। उपचुनाव में भाया की शानदार जीत जहां कांग्रेस का मनोबल बढ़ाने वाली है वहीं सत्तारूढ़ भाजपा को इसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। अंता विधानसभा सीट, हाड़ौती इलाके के बारां जिले में आती है। इस इलाके को भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गढ़ माना जाता है।

राजे के पुत्र और झालावाड़-बारां के सांसद दुष्यंत सिंह भी अंता निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल रहे। राजे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चुनाव प्रचार के दौरान एक साथ रोड शो किए। कई मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने भी यहां खूब प्रचार किया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की हार भाजपा संगठन में आंतरिक खींचतान को हवा दे सकती है। वह भी ऐसे समय में जबकि भजनलाल शर्मा की सरकार अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा करने वाली है।

उधर, कांग्रेस नेता इस जीत से उत्साहित नजर आए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर में कहा, ''अंता उपचुनाव में कांग्रेस को अपार समर्थन एवं आशीर्वाद प्रदान करने वाली देवतुल्य जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने कहा कि यह चुनाव भाजपा सरकार के दो साल के कार्यकाल की परीक्षा थी जिसमें वह विफल रही। उन्होंने कहा, उपचुनाव के नतीजे स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि भाजपा सरकार अपने कामकाज में विफल रही है। मतदाताओं ने 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले कड़ा संदेश दिया है। मुझे विश्वास है कि कांग्रेस राज्य में 2028 के विधानसभा चुनाव जीतेगी।

डोटासरा ने कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के बाद कहा

भाजपा ने जनता का विश्वास खोया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पार्टी के प्रत्याशी की जीत के बाद कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस राज्य की जनता का विश्वास खो दिया है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार के शासन से त्रस्त है।

राज्य की अंता विधानसभा सीट कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने जीत ली है।

डोटासरा ने 'एक्स' पर लिखा, ''भाजपा दो साल में ही जनता का विश्वास खो चुकी है, प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के शासन से त्रस्त है और यह चुनाव परिणाम उसी की गूंज है।'' उन्होंने कहा कि अंता उपचुनाव में कांग्रेस को अपार समर्थन एवं आशीर्वाद प्रदान करने वाली देवतुल्य जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

नवनिर्वाचित विधायक भाया को बधाई देते हुए डोटासरा ने कहा कि अंता की जीत जनता में कांग्रेस पार्टी के प्रति अटूट विश्वास एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नेतृत्व में नयी ऊर्जा और समर्थन का संचार करती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी उपचुनाव में भाया की जीत को कांग्रेस की रीति-नीतियों में जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक बताया।

जूली ने यहां मीडिया से कहा कि भाजपा सरकार की यह एक तरह से अग्नि परीक्षा थी और इस परीक्षा में वह पूरी तरह से नाकाम हुई है।

वेदांता की राजस्थान में 25,000 नंद घर स्थापित करने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। वेदांता लि. अगले दो वर्षों में राजस्थान में 25,000 नंद घर स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कंपनी ने बयान में कहा कि उसका लक्ष्य अगले दो वर्षों में राजस्थान में 25,000 नंद घर स्थापित करना है, जिससे 20 लाख लोगों के जीवन में सुधार होगा और सामुदायिक परिवर्तन में सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिए एक नया मानदंड स्थापित होगा।

वेदांता ने यह भी कहा कि उसने 16 राज्यों में 10,000 केंद्रों का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे देशभर में प्रतिदिन चार लाख से अधिक बच्चों और तीन लाख महिलाओं के जीवन में बदलाव आ रहा है।

भारत सरकार की एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के साथ जुड़ी यह पहल पारंपरिक आंगनवाड़ियों को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-सक्षम केंद्रों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, जब हमने नंद घर की शुरुआत की थी, हमारा सपना सरल था, हर बच्चे को सही पोषण और प्रारंभिक शिक्षा मिले तथा हर महिला को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिले। अब जब हमने 16 राज्यों में 10,000 नंद घर का लक्ष्य पार कर लिया है, तो वह सपना हकीकत बन रहा है।

विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का किया वितरण

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को अलवर जिले में बाल दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मालाखेडा गेट में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का वितरण किया। वन राज्यमंत्री शर्मा ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी एवं उनको प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विद्यार्थी को देश का अच्छा व सफल नागरिक बनाने में गुरूजनों व माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि देश के विकास एवं शिक्षित समाज के नव निर्माण में शिक्षा की महती भूमिका होती है। उन्होंने बालकों को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि विद्यार्थी नैतिक आचरण को मजबूत रखते हुए पूर्ण निष्ठा, अनुशासन, कठिन परिश्रम व दृढनिश्चय के बल पर किसी भी मुकाम को प्राप्त कर अपने सपनों साकार कर सकते हैं।

गहलोत ने बिहार विधानसभा चुनाव मतगणना के रुझानों को निराशाजनक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार में विधानसभा चुनाव के परिणामों के रुझानों को निराशाजनक बताते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि वहां चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को नकदी और अन्य लाभ बांटे गए। गहलोत ने दावा किया कि बिहार में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद पेंशन भुगतान और नकद हस्तांतरण बेरोकटोक जारी रहे। गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'बिहार के परिणाम निराशाजनक हैं इसमें कोई दो राय नहीं... बिहार में (आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद) सब बंट रहे थे... पेंशन बंट रही थी... पैसा बंट रहा था, दस हजार रुपए बिहार जैसे प्रदेश में महिलाओं को मिल जाएं, तो आप सोच सकते हो क्या हो सकता है, एक तो वो फैक्टर

भी था।' उन्होंने कहा कि 2023 में राजस्थान में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान एक योजना के तहत मोबाइल फोन वितरण और पेंशन वितरण को चुनाव आचार संहिता लागू होते ही तुरंत रोक दिया गया था। गहलोत ने आरोप लगाया, लेकिन बिहार में निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बना रहा, 'उसने क्यों नहीं रोका, दस-दस हजार रुपए बंट रहे थे चुनाव चलते हुए तो आयोग को रोकना चाहिए था, रोका ही नहीं।'

गहलोत ने आयोग पर बिहार में सत्तारूढ़ दल के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। गहलोत ने आरोप लगाया, जब आप निष्पक्ष चुनाव नहीं कराते, जब बूथ कैप्चरिंग या बेईमानी होती है और आयोग कोई कार्रवाई नहीं करता, तो यह वोट चोरी है। आयोग की सत्तारूढ़ दल के साथ स्पष्ट मिलीभगत थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने धनबल इकट्ठा किया है जिससे लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने कहा कि देश को कांग्रेस और उसकी विचारधारा की जरूरत है। राजस्थान में अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के परिणाम पर गहलोत ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार जीत की ओर बढ़ रहे हैं।

युवा नशे को ना कहे, ज्ञान का नशा सर्वोपरि है : श्री श्री रविशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के सान्निध्य में शुक्रवार को जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम उत्साह जीवन उत्साह है में युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान संपूर्ण परिसर सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा से सराबोर हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत ऊर्जावान संगीत प्रस्तुति से हुई। संगीतकार श्री रवीन्द्र उपाध्याय एवं रैपरिया बलम के मनभावन गीतों ने जिसने वातावरण को आनंद और उमंग से भर दिया।

श्री श्री रविशंकर ने स्टेडियम में आये सभी युवा प्रतिभागियों को कहा कि जीवन ही उत्सव है, प्रतिदिन उत्सव है। जीवन में उत्साह को बनाये रखने के लिए नशे से दूर

रहें। उन्होंने युवाओं के संदेश देते हुए कहा कि युवा दृढ़ संकल्पित होकर नशे को ना कहे, ज्ञान का नशा सबसे सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं और बच्चों में बढ़ते मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसे गंभीर मामलों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने सहपाठी के उदास दिखने पर उनसे बात करें और उनके अन्तरमन को जाने और आपसी सहयोग करने का प्रयास करें। अपने ज्ञान सत्र में श्री श्री रविशंकर ने जीवन में उत्साह, सकारात्मक सोच, मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे जीवन के हर क्षेत्र में ज्ञान को सकारात्मक रूप से ग्रहण कर अपने जीवन का उत्थान करें।

सहकारिता आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष तथा जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को उदयपुर शहर के गांधी ग्राउण्ड में 3 दिवसीय संभाग स्तरीय सहकार मेला एवं 'आदि हाट' का शुभारम्भ किया। सहकारिता विभाग के तत्वावधान आयोजित मेला में सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा, कपासन के पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट, श्री गजपालसिंह, पुष्कर तेली, पारस सिंघवी, डॉ. पंकज गोराणा, राकेश पोरवाल भी उपस्थित रहे।

दक ने कहा कि ''आत्मनिर्भर और विकसित भारत'' की संकल्पना में सहकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सब एक के लिए और एक सबके लिए, यही सहकारिता की भावना देश को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि वैश्विक स्तर पर सहकारिता आंदोलन की सूची में पहले स्थान पर अमूल तथा दूसरे पर इफको है। दक ने बताया कि सहकार सदस्यता अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में 9 लाख लोगों को सहकारिता से जोड़ा गया तथा 2200 से अधिक नए पैक्स गठित की गई।

ऊंट पालन एवं डेयरी क्षेत्र के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध केंद्र सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। पशुपालन एवं डेयरी के क्षेत्र में राजस्थान को देशभर में अव्वल स्टेट बनाने की दिशा में गुरुवार को एक और अध्याय जुड़ गया। पशुपालकों की आय बढाने, ऊंट पालन एवं डेयरी क्षेत्र के सतत विकास के लिए मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार की परामर्शदात्री संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जैसलमेर जिले के लगभग 150 प्रमुख ऊंट पालकों ने भाग लिया एवं ऊंट पालन से जुड़ी समस्याओं, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। ऊंटों की नस्ल संरक्षण, ऊंट आधारित उत्पादों के विपणन, डेयरी उद्योग से जुड़ी पहल एवं राज्य में पशुधन विकास की दिशा में ठोस सुझाव प्रस्तुत किए गए।

राजस्थान बने देश की मिल्क कैपिटल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें पशुपालन गतिविधियों से जोड़े जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। पशुपालन से किसानों की आय बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर होंगे। जोराराम कुमावत ने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन निरंतर बढ़े और प्रदेश को देश की श्मिल्क कैपिटलश् बनाया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ दुग्ध उत्पादों की बेहतर ब्राडिंग, गोवंश की समुचित देखभाल, वेटनरी क्षेत्र में आवश्यक प्रशिक्षण और उन्नत अधोसंरचना स्थापित करने में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की विशेषज्ञता का हरसंभव लाभ लिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक गांवों तक डेयरी नेटवर्क का विस्तार सुनिश्चित किया जाना है। बढ़े हुए दुग्ध संकलन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आधुनिकतम दुग्ध प्रसंस्करण अवसंरचना विकसित की जाएगी। प्रदेश में निर्मित होने वाले दुग्ध उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर ब्राडिंग सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव : राजग की आंधी में उड़ा महागठबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/नई दिल्ली/भाषा। बिहार में सत्तारूढ़ राजग ने शुक्रवार को महागठबंधन को करारी शिकस्त देकर सत्ता बरकरार रखी। इस जीत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अपील को पुष्ट किया तथा कांग्रेस और सहयोगी राजद को करारा झटका दिया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके दो मुख्य घटक दलों – भाजपा और जदयू – ने 101-101 सीट पर लगभग 85 प्रतिशत का 'स्ट्राइक रेट' हासिल किया।

इस गठबंधन ने '200 पार' की जीत हासिल की और तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शाम को दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं का गमछा लहराकर अभिवादन स्वीकार करने के बाद उनसे कहा, ''बिहार की जनता ने इस भारी जीत और अपने अटूट आत्मविश्वास के साथ गर्दा उड़ा दिया।''

भाजपा ने 2020 की 74 से बढ़कर इस बार 89 सीट जीतीं, जबकि नीतीश कुमार के जदयू ने 43 से बढ़कर 85 सीट पर सफलता प्राप्त की।

बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सीट संख्या 75 से घटकर 25 हो गई। कांग्रेस ने 61 सीट पर चुनाव लड़ा, जिनमें से उसे केवल छह सीट पर जीत मिली, जो उसे पिछली बार मिली 19 सीट से काफी कम हैं।

राजग की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसने एक नया 'एमवाई – महिला और युवा' फॉर्मूला दिया है, जिससे जनता ने 'जंगलराज के लोगों के सांप्रदायिक एमवाई फॉर्मूले' को ध्वस्त कर दिया है।

राजद के मुस्लिम-यादव समर्थन आधार का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए, मोदी ने कहा कि बिहार में कुछ दलों ने 'एमवाई फॉर्मूला' तैयार किया था, लेकिन आज की जीत ने एक नया 'सकारात्मक एमवाई – महिला और युवा' फॉर्मूला दिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव : एआईएमआईएम ने पांच सीटें जीतीं

पटना/भाषा। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में पांच सीट पर जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में खासा प्रभाव रखने वाली इस पार्टी ने 243 विधानसभा सीटों में से 29 पर चुनाव लड़ा। जिन सीटों पर उसने चुनाव लड़ा, उनमें से 24 सीट सीमांचल क्षेत्र की हैं। एआईएमआईएम के अख्तरुल ईमान ने अमौर सीट पर 38,928 मतों से जीत दर्ज की। उन्हें 1,00,836 वोट मिले। मोहम्मद सरवर आलम ने कोचाधामन में 23,021 वोटों से जीत हासिल की, उन्हें कुल 81,860 वोट मिले। गुलाम सरवर ने बैसी सीट पर 27,251 वोटों से जीत हासिल की और उन्हें कुल 92,766 वोट मिले। मोहम्मद मुर्शीद आलम ने जोकीहाट सीट पर 28,803 वोटों से जीत हासिल की और उन्हें कुल 83,737 वोट मिले।

चुनाव शुरू से निष्पक्ष नहीं था : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया और कहा कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

नीतीश के पोस्टरों से पटा पटना, समर्थकों ने कहा-'टाइगर जिंदा है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी बढ़त के बीच पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टरों से पट गया। जनता दल (यूनाइटेड) ने कहीं ने कहीं यह संदेश देने का प्रयास किया है कि बिहार की सत्ता का प्रमुख चेहरा नीतीश हैं।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर एक विशाल पोस्टर लगाया गया है, जिसमें दर्शाया गया है कि नीतीश कुमार एक बैठे हुए बाघ के पास खड़े हैं। इस पर टाइगर अभी जिंदा है' लिखा हुआ है। दिनभर शहर की मुख्य सड़कों, पार्टी कार्यालयों और मोहल्लों में जद (यू) ने ऐसे कई पोस्टर लगाए हैं। एक अन्य पोस्टर पर लिखा था कि हमारे बिहार में एक स्टार, हर बार नीतीश कुमार'। इसमें नीतीश की बड़ी तस्वीर थी और पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छोटी तस्वीर थी।

पटना में लगे एक पोस्टर पर 'बिहार मतलब नीतीश कुमार' लिखा हुआ था। राजनीतिक विश्लेषक अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इन दृश्य संकेतों ने जद (यू) का साफ संदेश दिया है कि बिहार की राजनीति के मंच पर नीतीश कुमार सिर्फ मुख्य पात्र ही नहीं, पूरी कथा हैं।

जद (यू) के एक कार्यकर्ता ने कहा, हमारे बिहार में 'एक स्टार' सिर्फ प्रशंसा नहीं है। यह याद दिलाना है कि केंद्र में जो भी अंकगणित हो, बिहार की बागडोर नीतीश जी के हाथ में है। इन पोस्टरों ने उन अटकलों के जवाब में रूप में भी देखा जा रहा है कि चुनाव बाद भाजपा द्वारा नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं बनने देगी।

भाजपा और जद (यू) ने इन अटकलों को पहले ही खारिज किया था, लेकिन शुक्रवार सुबह के ये दृश्य मानो इसे निर्णायक रूप से शांत करने के लिए तैयार किए गए थे। मुख्यमंत्री आवास के बाहर लगे 'टाइगर जिंदा है' पोस्टरों पर पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मुस्कुराते हुए कहा, उनकी कद टाइगर से बड़ा है, काफी बड़ा। जद (यू) प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजग की मजबूत बढ़त का श्रेय नीतीश कुमार के नेतृत्व में चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं को दिया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार जी जब तक चाहेंगे, मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनकी इच्छा, जनता की आकांक्षा और राजग का संकल्प सभी एक हैं।

बिहार में सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय की जीत हुई : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचंड जीत की ओर अग्रसर होने को सुशासन, विकास, जन-कल्याण की भावना और सामाजिक न्याय की जीत करार देते हुए कहा कि यह प्रचंड जनादेश जनता-जनार्दन की सेवा करने और प्रदेश लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, राजग ने राज्य का सर्वांगीण विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे दृष्टिकोण के आधार पर हमें वोट दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और राजग परिवार के हमारे सहयोगियों, चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस अभूतपूर्व जीत के लिए बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा, ''बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता-जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं राजग के प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। उन्होंने जनता के बीच जाकर हमारे विकास के एजेंडे को सामने रखा और विपक्ष के हर झूठ का मजबूती से जवाब दिया। मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं।''

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बिहार के विकास, यहां के अवसरंचना और राज्य की संस्कृति को नई पहचान देने के लिए बढ़-चढ़कर काम किया जाएगा। मोदी ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले।

जनता ने हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया, बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा : नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचंड जीत की ओर अग्रसर होने के बाद शुक्रवार को कहा कि जनता ने उनकी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजग के घटक दलों के प्रमुख नेताओं का धन्यवाद भी किया और कहा कि बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। कुमार ने पोस्ट में कहा, बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। उन्होंने कहा, ''आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद्।'' जद (यू) अध्यक्ष ने कहा कि राजग ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए राजग गठबंधन के सभी साथियों चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी एवं उपेन्द्र कुशवाहा जी को भी धन्यवाद एवं आभार।

बिहार में राजग की 'जीत ऐतिहासिक', डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर 'विश्वास की मुहर' : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'डबल इंजन' सरकार की विकासोन्मुखी और कल्याणकारी नीतियों के प्रति विश्वास की मुहर है। नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चुनाव में राजग को मिला 'प्रचंड बहुमत' इस बात का भी प्रमाण है कि बिहार की जनता ने महागठबंधन के 'जंगल राज' व भ्रष्टाचार को पूरी तरह से नकार दिया और सत्तारूढ़ गठबंधन के 'सुशासन, स्थिरता और विकास' के आयामों को अपनाया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'बिहार में राजग को मिला ऐतिहासिक जनसमर्थन प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की डबल इंजन सरकार की विकासोन्मुखी और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास की मुहर है।' उन्होंने कहा कि यह 'अभूतपूर्व जनादेश' बिहार को एक विकसित राज्य और भारत को एक विकसित देश बनाने के राजग के संकल्प को साकार करने के लिए एक ठोस रूप प्रदान करेगा। बिहार विधानसभा चुनावों में राजग ने कुल 243 सीट में से लगभग 200 से अधिक सीट पर बढ़त हासिल की है, जिसमें भाजपा 90 सीट पर आगे होकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। राजद, कांग्रेस और तीन वामपंथी दलों वाले महागठबंधन को 35 सीट का आंकड़ा पार करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सम्राट चौधरी तरापुर सीट 45,843 वोट से जीते

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने विधानसभा चुनाव में तरापुर सीट पर 45,843 मतों के अंतर से जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, चौधरी को कुल 1,22,480 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजद के अरुण कुमार ने 76,637 मत हासिल किए। जन सुराज पार्टी के संतोष कुमार सिंह 3,898 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

बिहार चुनाव में हार के बाद कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता 'संघर्ष' तेज होगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया की कि आने वाले दिनों में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर 'सत्ता संघर्ष' और तेज होने की संभावना है।

भाजपा के अनुसार, 'बिहार चुनाव में हार के बाद कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर'' हो गया है जबकि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मजबूत होकर उभरेंगे, जिससे राज्य में ''मुख्यमंत्री परिवर्तन'' का संभावित मुद्दा और जोर पकड़ेगा।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा, ''अगर आज कांग्रेस में कोई खुश है और जश्न मनाने के मूड में है, तो वह सिद्दरामय्या हैं। वह खुश होंगे... बिहार के नतीजों के बाद कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर हो रहा है जबकि सिद्दरामय्या और मजबूत होंगे।''

भाजपा नेता ने कहा, ''वह (सिद्दरामय्या) पहले भी अन्य दलों के साथ रहे हैं, इसलिए उन्हें पता है कि चीजों को कैसे संभालना है।

कांग्रेस ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस उम्मीदवार वी. नवीन यादव ने शुक्रवार को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीआरएस उम्मीदवार मगंती सुनीता को 24,729 से अधिक मतों के अंतर से हराया। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यादव को 98,988 वोट मिले, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार को 74,259 वोट मिले। भाजपा उम्मीदवार एल. दीपक रेड्डी की जमानत जब्त हो गई, जिन्हें केवल 17,061 वोट मिले। यहां कोटला विजय भास्कर रेड्डी इनडोर स्टेडियम में मतगणना के दौरान यादव ने सभी राउंड में अपनी बीआरएस प्रतिद्वंद्वी पर लगातार बढ़त बनाए रखी।

इस साल जून में बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के कारण यह उपचुनाव कराना पड़ा था। बीआरएस ने उनकी पत्नी सुनीता को अपना उम्मीदवार बनाया था। जुबली हिल्स सीट पर जीत के साथ ही 119 सदस्यीय तेलंगाना विधानसभा में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों की संख्या 66 हो गई। मतगणना के दौरान यादव की जीत सुनिश्चित होते ही कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस मुख्यालय 'गांधी भवन' में पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटीं। पिछले साल सिकंदराबाद छावनी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मिली जीत के बाद जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस की विजय ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व पर मुहर लगाई है। उपचुनाव के नतीजों का सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इसे कांग्रेस सरकार की लोकप्रियता की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था। जुबली हिल्स उपचुनाव बीआरएस के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा था क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे एक भी सीट नहीं मिली और 2023 के विधानसभा चुनावों में भी उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की जीत रेवंत रेड्डी सरकार के प्रदर्शन की पुष्टि करती है। निजामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए गौड़ ने कहा कि पिछले साल सिकंदराबाद छावनी सीट और अब जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस की सफलता से पता चलता है कि लोग मुख्यमंत्री रेड्डी के नेतृत्व और सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से संतुष्ट हैं।

हत्या के मामले में गिरफ्तार जदयू नेता अनंत सिंह ने मोकामा सीट जीती

पटना। हत्या के एक मामले में जेल में बंद अपराधी से नेता बने अनंत कुमार सिंह ने शुक्रवार को बिहार की मोकामा विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या के आरोप में गिरफ्तार जनता दल यूनाइटेड (जदयू) उम्मीदवार सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी वीणा सिंह को 28,206 मतों से हराया। यह जानकारी निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़ों से प्राप्त हुई। सिंह को कुल 91,416 वोट मिले, जबकि राजद उम्मीदवार को 63,210 वोट प्राप्त हुए। चुनाव प्रचार के दौरान हुई इस हत्या ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी थी और मतदान से कुछ दिन पहले ही अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था।

मोकामा सीट 1990 से सिंह के परिवार के प्रभाव में रही है, चाहे उनकी पार्टी संबद्धता कुछ भी रही हो। केवल एक संक्षिप्त अवधि को छोड़कर यह सीट लगातार उनके परिवार के पास रही है। अनंत सिंह को 2022 में यूएपीए मामले में दोषसिद्धि के बाद विधानसभा सदस्यता के लिए अयोग्य ठहराए जाने पर उन्होंने यह सीट अपनी पत्नी नीलम देवी को सौंप दी थी। हाल ही में पटना उच्च न्यायालय ने उन्हें इस मामले में बरी कर दिया।

बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का खाता भी नहीं खुला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार चुनाव में 'एक्स फैक्टर' कही जाने वाली पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) 238 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद 243 सदस्यीय विधानसभा में अपना खाता भी नहीं खोल पाई।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, जेएसपी के अधिकतर उम्मीदवारों को कुल डाले गए मतों के 10 प्रतिशत से भी कम वोट मिले हैं और उनकी जमानत जब्त हो गई है।

अब तक पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नवीन कुमार सिंह उर्फ अभय सिंह का रहा, जो मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र से दूसरे स्थान पर रहे। राजद के जितेंद्र कुमार राय ने यह सीट 27,928 मतों के अंतर से जीती। पूर्व चुनाव रणनीतिकार द्वारा गठित यह पार्टी जोरदार प्रचार अभियान तथा बेरोजगारी, पलायन और उद्योगों की कमी जैसे ज्वलंत मुद्दों को उठाने के बावजूद अपने पक्ष में वोट जुटाने में विफल रही।

आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 238 निर्वाचन क्षेत्रों में जेएसपी के अधिकतर उम्मीदवारों की जमानत जब्त होने की संभावना है।

कई सीट पर जेएसपी उम्मीदवारों के वोटों की संख्या नोटा (इनमें से कोई नहीं) श्रेणी से भी कम है।

फोर्ब्सगंज विधानसभा सीट से जेएसपी उम्मीदवार मोहम्मद एकरामुल हक को मतगणना पूरी होने पर सिर्फ 977 वोट मिले, जबकि नोटा के तहत 3,114 वोट दर्ज किए गए।

बहुत कम जसुपा उम्मीदवार ऐसे हैं जिन्होंने 10 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल किए। इनमें चनपटिया सीट से त्रिपुरारी कुमार तिवारी उर्फ मनीष कश्यप शामिल हैं, जिन्हें 24वें चरण की गिनती के बाद 17.2 प्रतिशत मत मिले।

मतगणना पूरी होने के बाद जोकीहाट सीट से सरफराज आलम को 16.26 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए।

भोजपुरी गायक रितेश पांडे भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में असफल रहे और उन्हें केवल 7.45 प्रतिशत वोट ही मिल सके।

किशोर ने पहले दावा किया था कि उनकी पार्टी 150 सीट जीतेगी, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या में या तो पार्टी शीर्ष पर होगी या सबसे निचले पायदान पर, लेकिन बिहार चुनाव में कोई बीच का रास्ता नहीं है।

जेएसपी बिहार के अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा, ''हम एक नई राजनीति शुरू करना चाहते थे और लोगों को बिहार की दुर्दशा के बारे में बताना चाहते थे।

सुविचार

दुश्मन बनाने के लिए किसी से लड़ने की जरूरत नहीं, आप मेहनत करके कामयाब हो गए तो दुश्मनों की लाइन स्वयं लग जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोदी-नीतीश का करिश्मा बरकरार

बिहार के मतदाताओं ने फिर एक बार राजग पर विश्वास किया है। मतदान प्रतिशत में वृद्धि के बाद इसे सत्ताविरोधी लहर के तौर पर प्रचारित किया जा रहा था, लेकिन जनता-जनार्दन ने राजग को प्रचंड बहुमत देकर सारे कयासों को ध्वस्त कर दिया है। चुनाव से पहले कांग्रेस और महागठबंधन के घटक दलों ने 'वोट चोरी' को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की थी। मतदाताओं ने उस पर विश्वास नहीं किया और राजग को पुन: आशीर्वाद दे दिया। यह जीत साबित करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करिश्मा बरकरार है। जनता ने इनके नेतृत्व पर मुहर लगाई है। नीतीश कुमार वर्ष 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। बीच में कुछ अवधि के लिए जीतनराम मांझी ने कुर्सी जरूर संभाली थी। इतने वर्षों में जनता बड़े-बड़े नेताओं से ऊब जाती है। नीतीश कुमार के बीच में पाला बदलने से उनकी राजनीतिक साख जरूर दांव पर लगी थी। वे आखिरकार राजग में लौट आए। यह जनादेश इस बात पर भी मुहर लगाता है कि जनता को जद (यू) और भाजपा का साथ पसंद है। लोजपा (रामविलास), हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा और आरएलएम ने इस जीत को और जानदार बना दिया। अब राजग की जिम्मेदारी है कि वह नई सरकार बनाते ही वे वादे निभाए, जो चुनाव घोषणापत्र में किए थे। जनता अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाना चाहती है। बिहार में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध जैसी कई समस्याएं हैं। लोग अन्य राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। उनके लिए बिहार में रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन करना चाहिए।

इन चुनाव नतीजों के बाद महागठबंधन और जन सुराज को गंभीरता से चिंतन करना होगा। क्या वजह है कि जनता ने बड़े-बड़े वादों के बावजूद आपको नकार दिया? तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया था। वे हर घर में एक सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे थे। जनता ने उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया। करती भी कैसे! आज पांचवीं कक्षा का एक सामान्य विद्यार्थी भी जानता है कि बिहार में अभी और अगले कई दशकों तक ऐसे वादे को धरातल पर उतारना संभव नहीं है, क्योंकि इतना बजट ही नहीं है। हवा-हवाई बातों से तालियां मिलती हैं, वोट नहीं। रोजगार के मुद्दे को लेकर नीतीश कुमार से भी नाराजगी थी, लेकिन जिन्होंने बिहार में लालू-राबड़ी की सरकार देखी है, उनमें से ज्यादातर लोगों ने राजद को नकार दिया। तेजस्वी सुनहरे वादे करते रहे, जिन पर राजद की पूर्व सरकार का रिकॉर्ड भारी पड़ गया। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की हालत बयान करने के लिए एक नई कहावत यह हो सकती है- 'खोदा पहाड़, हुआ बंटाधार'! दूसरों के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर जब खुद की पार्टी के लिए रणनीति बनाने बैठे तो कुछ दांव उल्टे पड़ गए। वे शराबबंदी हटाने का वादा कर रहे थे, जो खासकर महिलाओं को पसंद नहीं आया। वे किसी दल के साथ गठबंधन नहीं करने, पलायन रोकने, रोजगार देने और हालात बदल देने की बातें कर रहे थे। उनकी बातें लोगों को अच्छी तो खूब लगीं। साथ ही, यह याद रहा कि ऐसे ही वादे पिछले दशक में अरविंद केजरीवाल करते थे, जिन्होंने बाद में कई वचन तोड़े थे और आबकारी नीति मामले में बुरी तरह फंसे थे। बिहार के मतदाता एक और 'अरविंद केजरीवाल' नहीं चाहते थे। इसका नतीजा सबके सामने है।

ट्वीटर टॉक

भगवान बिरसा मुंडा, जिन्होंने आदिवासी समाज की आवाज बनकर अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा, आज भी जनजातीय अस्मिता के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, तो यह सिर्फ एक दिन नहीं था, बल्कि उस स्वाभिमान का उत्सव था, जो सदियों से दबा था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अंता की जनता-जनार्दन को हृदय से प्रणाम, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अपना अपार विश्वास जताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी श्री प्रमोद भाया जी को प्रचंड जीत दिलाई। यह जीत हर कांग्रेस कार्यकर्ता की तपस्या, समर्पण और अथक परिश्रम की जीत है। अंता की जनता ने अपने मत से न सिर्फ सत्य और सेवा को चुना, बल्कि भाजपा के सरकार के कुशासन और अहंकार पर करारा प्रहार भी किया है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

तपस्या का फल !

बहुत वर्ष पूर्व ऋषि-मुनी भगवान को पाने के लिए कठोर तपस्या करते थे । यह तपस्या कैसी रहती थी ? एक पांव पर खडे होकर नमस्कार की मुद्रा में भगवान का नामजप करना, पानी में नमस्कार की मुद्रा में खडे रहकर अखंड भगवान का नामजप करना, हिमालय जैसे पर्वत पर जाकर अत्यंत ठंड में एक ही जगह अनेक वर्षों तक बैठकर नामजप करना इस प्रकार तपस्या की जाती थी । तपस्या के समय न कुछ खाया जाता था, न ही पानी पीया जाता था । इसी प्रकार कठोर तपस्या करने के बाद भगवान भक्त पर प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद देते थे ।

इसी प्रकार भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती कठोर तपस्या कर रही थी । तपस्या के समय वह भगवान के चिंतन में ध्यानमग्न बैठी थी । उनकी तपस्या पूर्ण ही होनेवाली थी कि उसी समय उन्हें एक बालक के डुबने की चीख सुनाई दी । माता तुरंत उठकर वहां पहुंची । उन्होंने देखा एक मगरमच्छ बालक को पानी के अंदर खींच रहा है ।

वह बालक अपने प्राण बचाने के लिए प्रयास कर रहा था, तथा मगरमच्छ उसे खाने का प्रयास कर रहा था । अत्यंत करुणामयी माता पार्वती को बालक पर दया आई । माता ने मगरमच्छ से निवेदन करते हुआ कहा, ''बालक को छोड दो, इसे आहार न बनाओ ।'' उस पर मगरमच्छ बोला, ''माता यह मेरा आहार है, मुझे हर छठे दिन भूख मिटाने के लिए जो पहले मिलता है, वह मेरा आहार होता है । मेरा आहार ब्रह्मा ने निश्चित किया है ।'' माता पार्वती ने फिर कहा, ''आप इसे छोड दे । इसके बदले मैं अपनी तपस्या का फल आपको दूंगी ।'' पार्वती माता ने बालक के प्राणों की रक्षा के लिए अपने कठोर तपस्या का फल दांव पर लगाया । मगरमच्छ ने भी उसे स्वीकार किया । पार्वती माता ने उसी समय संकल्प किया और अपनी पूरी तपस्या का पुण्यफल उस मगरमच्छ को दे दिया ।

मगरमच्छ को माता के तपस्या का फल प्राप्त होने के कारण वह सूर्य के जैसे चमक उठा । उसकी बुद्धि भी शुद्ध हो गई । उसने कहा, ''माता आप अपना पुण्य वापस ले लें । मैं इस बालक को छोड दूंगा ।''

माता ने तो वचन दिया था, इसलिए उन्होंने तपस्या का फल वापस लेने से मना कर दिया । और वह बालक को गोद में लेकर ममता से दुलारने लगी । बाद में माता ने उस बालक को उसके घर सुरक्षित लौटा दिया और वे अपने स्थान पर वापस आ गई । भगवान शिवजी को प्राप्त करने हेतु उन्होंने पुनः तप करना आरम्भ किया । उसी समय भगवान शिवजी माता पार्वती के सामने प्रकट हो गए । भगवान शिवजी उन्हें बोले, ''पार्वती, अब तुम्हें तप करने की आवश्यकता नही है । हर प्राणी में मेरा ही वास है, तुमने उस मगरमच्छ को अपने तप का जो फल दिया वह मुझे ही प्राप्त हुआ । इसलिए तुम्हारे तप का फल अनंत गुना हो गया है । तुमने करुणा और ममता से द्रवित होकर बालक की रक्षा की । इसलिए मैं तुम पर प्रसन्न हूं और तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकारता हूं ।''

सामयिक

बिहार ने गांधी परिवार को पूरी तरह से हाशिये पर ढकेला

अजय कुमार

मोबाइल : 9335566111

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव कहे जाने वाले चुनावों में बिहार ने इस बार जो फैसला दिया, उसने देशभर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। राज्य की जनता ने जातीय समीकरणों और पारंपरिक परिवारवाद की राजनीति से ऊपर उठकर स्पष्ट रूप से विकास, नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता दी। परिणाम यह रहा कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार को भारी बहुमत मिला, जबकि यादव और गांधी परिवार का प्रभाव लगभग समाप्त होता दिखा। तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे चेहरों का कथित सेक्युलर गठबंधन इस बार मतदाताओं को भरोसा दिलाने में नाकाम रहा। राज्य में कुल 243 विधानसभा सीटों में से एनडीए ने करीब 175 सीटें हासिल कर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा के खाते में 99 सीटें आईं, जबकि जनता दल यूनाइटेड ने 68 सीटें जीतीं। इसके अलावा छोटे सहयोगी दलों, हम, वीआईपी और रालोसपा को भी कुल मिलाकर आठ सीटें मिलीं। इस जीत ने न केवल नीतिश कुमार की साख दोबारा मजबूत कर दी बल्कि भाजपा को भी बिहार की राजनीति में निर्णायक स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरी ओर, महागठबंधन के लिए यह चुनाव लगभग विनाशकारी साबित हुआ। राजद मात्र 35 सीटों पर सिमट गया, कांग्रेस 7 पर और वामदलों को कुल मिलाकर सिर्फ 5 सीटें मिलीं। यही नहीं महागठबंधन के सीएम फेस और राजद नेता तेजस्वी यादव भी अपने चुनाव क्षेत्र में बार बार पीछे हो रहे हैं, यदि तेजस्वी जीतते भी हैं तो उनकी जीत का अंतर काफी कम रहने वाला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज विदेश में घूम रहे हैं जबकि उनको अपने कार्यकर्ताओं को ढाढस बनाने के लिये उनके बीच मौजूद होना चाहिए था। एनडीए को सभी वर्गो के वोट मिले यही वजह थी जेडीयू के मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में अच्छा प्रर्दशन करते हुए दिखाई दिये।तेजस्वी यादव के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका है। वे लगातार अपनी राजनीति को युवाओं के ने और रोजगार के मुद्दे पर केंद्रित करते हुए बिहार में बदलाव की बात कर रहे थे। लेकिन जनता ने उन्हें अवसर देने से इनकार कर दिया। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई को मुख्य मुद्दा बनाया, परंतु एनडीए ने इसे विकास बनाम जातिवाद की लड़ाई के रूप में पेश किया और इसी रणनीति ने सभी जातीय गणनाओं को ध्वस्त कर दिया। यादव मतदाताओं के अलावा अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों और अति पिछड़ों का बड़ा वर्ग इस बार पहली बार पूरी मजबूती से एनडीए के पक्ष में खड़ा दिखा।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रैलियाँ भी जमीन पर असर नहीं डाल पाईं। राहुल गांधी की सभाएँ सीमित भीड़ में सिमटकर रह गईं और कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी फिर एक बार उजागर हो गई। महागठबंधन के कई उम्मीदवार खुद स्थानीय स्तर पर प्रचार के लिए अपने दम पर संघर्ष करते दिखाई दिए। वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी के नेतृत्व में प्रचार को आक्रामक अंदाज में चलाया। पटना, गया, दरभंगा, भागलपुर और बक्सर जैसे जिलों में मोदी की सभाओं में भारी भीड़ ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे कि मतदाताओं का झुकाव केंद्र की योजनाओं और मजबूत नेतृत्व की ओर है।

नीतिश कुमार के लिए यह चुनाव साख बनाम थकान की लड़ाई कहलाया जा रहा था। कई विश्लेषकों ने दावा किया था कि नीतिश के पक्ष में एंटी इंकम्बेंसी विरोधी लहर काम करेगी, लेकिन अंतिम परिणाम ने सभी आकलनों को गलत साबित कर दिया। एनडीए ने करीब 46 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जबकि महागठबंधन 38 प्रतिशत पर सिमट गया। इसका अर्थ यह हुआ कि बिहार की जनता ने स्थिर प्रशासन और राजनीतिक परिपक्वता को जातीय समीकरणों से ऊपर रखा। ग्रामीण इलाकों में एनडीए की योजनाओं का सीधा असर दिखा। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और हर घर नल योजना जैसे प्रोजेक्ट्स ने महिलाओं और गरीब तबके को सीधे लाभ पहुँचाया। इन्हीं स्कीमों ने घर घर में भाजपा और जेडीयू की पकड़ को मजबूत किया। इसके अलावा, कानून व्यवस्था में सुधार और नीतिश कुमार की छवि अब भी सुशासन बाबू के रूप में लोगों के मन में कायम रही।

दूसरी ओर, युवा मतदाताओं ने तेजस्वी यादव की बातों को दिलचस्प तो पाया, लेकिन अनुभवहीनता और अतीत में उनके परिवार पर लगे आरोपों ने उन्हें पूरी तरह समर्थन नहीं दिया। लालू प्रसाद यादव के समय की पिछली राजनीतिक यादें जंगलराज, अपराध और परिवारवाद अभी भी बिहार के मतदाताओं के मन में ताजा हैं। यही कारण रहा कि तेजस्वी की परिवर्तन यात्रा का असर सीमित इलाकों तक ही रहा। राहुल गांधी की भूमिका भी महागठबंधन में केवल प्रतीकात्मक दिखी। कांग्रेस ने अपने पारंपरिक गढ़ जैसे सासाराम, कटिहार और किशनगंज में भी हार का सामना किया। पार्टी का वोट शेयर घटकर मात्र 6.5 प्रतिशत रह गया। इस पराजय के साथ ही कांग्रेस का राज्य स्तर पर भविष्य बेहद धुंधला होता दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में कुछ सभाएँ कीं, मगर उनका प्रभाव सीमित रहा। उत्तर प्रदेश की राजनीति से लेकर बिहार की जातीय संरचना तक, उनका हस्तक्षेप मतदाताओं पर असर छोड़ने में नाकाम रहा। बिहार के मतदाताओं ने साफ संदेश दिया कि उन्हें बाहरी नेताओं के भावनात्मक भाषणों की जगह स्थानीय मुद्दों पर ठोस जवाब चाहिए।

इस चुनाव का एक दिलचस्प पहलू यह भी रहा कि महिलाओं ने इस बार रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। महिला वोटिंग प्रतिशत 61 प्रतिशत तक पहुंचा, जो पुरुषों की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक था। नीतिश कुमार ने कुछ महीनों पहले महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष योजनाएं शुरू की थीं, जिनका असर मतदान में साफ तौर पर दिखा। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने भी ग्रामीण स्तर पर संगठन मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया। अब सवाल यह है कि इस बंपर जीत के बाद बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी। नीतिश कुमार आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं और भाजपा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह मिलकर स्थिर सरकार चलाएगी। हालांकि पार्टी के अंदर कुछ नेता चाहते हैं कि धीरे धीरे भाजपा राज्य नेतृत्व में प्रमुख भूमिका निभाए। बिहार में यह संभवतः उस नए चरण की शुरुआत होगी जहाँ भाजपा मैदान में मुख्य भूमिका में उभरेगी और जेडीयू सहयोगी की भूमिका निभाएगी।

महागठबंधन में निराशा का माहौल है। तेजस्वी यादव अब संगठनात्मक सुधार की बात कर रहे हैं और पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने का संकल्प जता रहे हैं। मगर चुनौती यह है कि मतदाता अब पारिवारिक राजनीति के बजाय नए चेहरों, गंभीर योजनाओं और ठोस नीतिगत दृष्टिकोण को महत्व देने लगे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव साफ चेतावनी की तरह है कि बिना जनाधार, बिना संगठन और बिना मजबूत नैरेटिव के केवल गठबंधन के भरोसे सत्ता तक पहुँचना नामुमकिन है। इस तरह बिहार चुनाव 2025 केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं बल्कि एक युगांतकारी जनादेश बन गया, जिसने परिवार आधारित राजनीति, जातिगत समीकरणों और भावनात्मक भाषणों की जगह नीति, प्रशासन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी। बिहार की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब न उन्हें नाम चाहिए, न वंश, बल्कि काम करने वाला नेतृत्व चाहिए। यह परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि भारत के आने वाले चुनावी परिदृश्य के लिए भी संकेत देता है कि परिवारवाद का दौर धीरे धीरे खत्म हो रहा है और जनता अब केवल उसी को पसंद करेगी जो उनका भरोसा जीत सके।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज विदेश में घूम रहे हैं जबकि उनको अपने कार्यकर्ताओं को ढाढस बनाने के लिये उनके बीच मौजूद होना चाहिए था। एनडीए को सभी वर्गो के वोट मिले यही वजह थी जेडीयू के मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में अच्छा प्रर्दशन करते हुए दिखाई दिये। तेजस्वी यादव के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका है। वे लगातार अपनी राजनीति को युवाओं के ने और रोजगार के मुद्दे पर केंद्रित करते हुए बिहार में बदलाव की बात कर रहे थे। लेकिन जनता ने उन्हें अवसर देने से इनकार कर दिया।

नजरिया

आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत हैं भगवान बिरसा मुंडा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9454105568

देश में ऐसे बहुत कम लोग हुए जिन्हें लोगों ने भगवान का दर्ज़ा दिया। इनमें जनजाति अस्मिता के नायक बिरसा मुंडा का नाम सर्वोपरि है। देश आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के तौर पर मनाने जा रहा हैं। पूरे देश में भगवान बिरसा मुंडा को महान क्रांतिकारी के रूप में याद किया जाता है। झारखंड के उलिहातु में 15 नवम्बर 1875 में उनका जन्म हुआ था। बिरसा मुंडा देश के इतिहास में ऐसे नायक थे जिन्होंने आदिवासी समाज की दिशा और दशा बदल कर रख दी थी। उन्होंने आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत से मुक्त होकर सम्मान से जीने के लिए प्रेरित किया था। अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के लोकनायक थे बिरसा मुंडा। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन किसी प्रेरणास्रोत से कम नहीं है। उनका पूरा जीवन देशवासियों को अदम्य साहस, संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संदेश देता है। अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी आंदोलन के लोकनायक थे बिरसा मुंडा। बिरसा मुंडा का 24 वर्ष की आयु में 9 जून 1900 को रांची की जेल में निधन हो गया था।

जनजाति समाज के भगवान माने जाने वाले बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर देश को आदिवासियों की दशा और दिशा पर स्वतंत्र चिंतन मनन की जरूरत है। आज़ादी के बाद से ही यह समुदाय पग पग पर छला गया और सियासत की ठगी का शिकार बना, मगर आज भी आर्थिक और सामाजिक प्रगति की बाट जोह रहा है यह समुदाय। चुनावों के दौरान आदिवासी सियासत को लेकर देश में गर्माहट और छटपटाहट देखने को मिलती है। सच तो यह भी है इनके साथ छल करने वाले और कोई नहीं अपितु इनके ही समुदाय के कथित नेता है जो सत्ता और वोटों के लालच में अपने लोगों को गिरवी रख देते है। सामाजिक बराबरी के लिए आज जल, जंगल, जमीन और प्रकृति के

रखवाले आदिवासियों के आर्थिक सामाजिक और शैक्षिक विकास की जरुरत है। जनजातियों का भारत की स्वतंत्रता और समृद्धि में बहुत बड़ा योगदान है। दुनिया के लगभग 90 से अधिक देशों मे आदिवासी समुदाय की आबादी लगभग 37 करोड़ है। आज आदिवासियों की दशा और दिशा पर गहन चिंतन और मंथन की जरुरत है। आदिवासी समुदाय को प्रकृति का सबसे करीबी माना जाता है। इस समुदाय ने संसाधनों के आभाव में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। भारत में आदिवासी संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान है। यह जनजाति लोगों का एक ऐसा समूह है, जिनकी भाषा, संस्कृति, जीवनशैली और सामाजिक-आर्थिक स्थिति भिन्न है। मगर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना उनमें कूट कूट कर भरी है। प्रकृति के सबसे करीब होने के साथ ही इस समुदाय का गीत, संगीत और नृत्य से सदा ही गहरा लगाव रहा है। वर्षो पूर्व जब अंग्रेज इस देश को गुलाम बनाकर शासन करने आये तो यहाँ के आदिवसियों ने ही सबसे पहले सशत्र विरोध कर स्वतन्त्रता संग्राम का बिगुल फूंका था। कालांतर में यह वर्ग देश की प्रगति और विकास से समान रूप से नहीं जुड़ पाया। आजादी के आंदोलन में आदिवासियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो, सिद्धु-कान्हू नाम के दो भाईयों के नेतृत्व में 30 जून 1855 को संथाल परगना में सशत्र विद्रोह किया गया जिसमें अंग्रेजों को भारी क्षति पहुंची थी। इस लड़ाई ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये थे। अंग्रेजों से लड़ते हुए तकरीबन बीस हजार लोगों ने अपनी जान दे दी थी। इस विद्रोह को इतिहास में संथाल विद्रोह के रूप में जाना जाता है।

आजादी के बाद एक लम्बी जद्दोजहद के बाद भी यह तय नहीं हो पाया की हमारे देश में आदिवासी कौन है। साधारण रूप से कहा जाये तो वे लोग जो आधुनिक सभ्यता और प्रगति से दूर रहकर जंगलों में निवास करते है। जमीन होते हुए भी जमीन हीन है। आज भी उनका खाना मोटा है। जंगल के इलाकों में रहने के कारण सरकार संचालित विकास योजनाएं इन तक नहीं पहुंच पाती। केंद्र और राज्य सरकार की रोजगार गारंटी योजना सहित दूसरी योजनाओं से ये आदिवासी पूरी तरह दूर हैं। पौष्टिक भोजन के आभाव में कुपोषण और बीमारी इनके लिए जानलेवा साबित हो रही है। मानव की मूल जरुरत साफ पानी भी इन लोगों को उपलब्ध नहीं होता।

भारत की जनगणना 1951 के अनुसार आदिवासियों की संख्या 1,91,11,498 थी जो 2001 की जनगणना के अनुसार 8,43,26,240 हो गई। वर्तमान में देश में लगभग 11 करोड़ आदिवासियों की आबादी है और विभिन्न आंकड़ों की मानें तो हर दसवां आदिवासी अपनी जमीन से विस्थापित है। बढ़ती जनसंख्या, नगरों के विकास और औद्योगिकीकरण के कारण आदिवासियों की जमीने छिन गईं, जिसके कारण इनकी परंपरागत जीवन पद्धति में भारी बदलाव आया है। धरती पर सबसे पहले सभ्य होने वाली यही जन-जातियां ही थीं। लेकिन, विडंबना यह है कि उनके बाद सभ्यता का मुंह देखने वाली जातियां आज उन्हें आदिवासी कहने लगी हैं। भारत के संविधान में आदिवासी समुदाय को जन जाति का दर्जा दिया गया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनिल अंबानी ने फेमा मामले में ईडी के समक्ष 'डिजिटल माध्यम' से हाजिर होने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने फेमा के तहत जारी समन के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष शुक्रवार को ''डिजिटल माध्यम'' से हाजिर होने की पेशकश की। कारोबारी अनिल अंबानी (66) के एक प्रवक्ता द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने संघीय जांच एजेंसी को पत्र लिखकर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही जांच में पूर्ण सहयोग'' का आश्वासन दिया है। ईडी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने अंबानी के वर्चुअल रूप से हाजिर होने की पेशकश को अस्वीकार कर दिया है। ऐसी उम्मीद है कि एजेंसी उन्हें जल्द ही गवाही के लिए पेश होने की नई तारीख देगी।

सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने और फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। यह जांच जयपुर-रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित है। हाल ही में धन शोधन निरोधक कानून के तहत अंबानी और उनकी कंपनियों की 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के बाद ईडी ने एक बयान में कहा था कि आर-इंफ्रा के खिलाफ (फेमा के तहत की गई) तलाशी कार्रवाई में पाया गया कि राजमार्ग परियोजना में कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की ''हेराफेरी'' की गई थी।

एजेंसी ने कहा था, ''सूरत स्थित फर्जी कंपनियों के माध्यम से धन दुबई पहुंचाया गया। इससे 600 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापक अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क का पता चला है।'' सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कुछ कथित हवाला डीलरों सहित कई लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिसके बाद उन्होंने अंबानी को तलब करने का फैसला किया है। हवाला, धन की अवैध आवाजाही को दर्शाता है, जिसमें अधिकतर नकदी शामिल होती है। ईडी ने व्यवसायी से एक बार अपने समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर 17,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की थी। बयान में कहा गया है, यह मामला (फेमा मामला) 15 साल पुराना है, 2010 का है और एक सड़क ठेकेदार से जुड़ा है। इसमें कहा गया है कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' ने 2010 में जेआर टोल रोड (जयपुर-रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी अनुबंध प्रदान किया था। बयान के अनुसार, यह पूरी तरह से घरेलू अनुबंध था जिसमें किसी भी तरह का विदेशी मुद्रा घटक शामिल नहीं था। बयान में कहा गया है, जेआर टोल रोड पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और 2021 से, यह पिछले चार वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पास है।

अंबानी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। इसमें कहा गया है, उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक, लगभग 15 वर्षों तक कंपनी में केवल एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में कभी शामिल नहीं रहे।

फिल्म 'आगरा' को सिनेमाघरों में शो नहीं मिल रहे, दर्शक साथ दें : निर्माता कनु बहल

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्माता कनु बहल ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया पर एक नोट साझा किया और बताया कि समीक्षकों द्वारा प्रशंसित उनकी फिल्म 'आगरा' को इसलिए नहीं दिखाया जा रहा है क्योंकि छोटी फिल्में मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग में फिट नहीं बैठतीं। बहल और अतिका चौहान द्वारा लिखित यह फिल्म एक परिवार के भीतर यौन मुद्दों को दर्शाती है। यह शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

बहल ने 'मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग'' की व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि यह छोटी फिल्मों के बजाय बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को तरजीह देती है। उन्होंने दर्शकों से अपने एक्स' पोस्ट पर शो की मांग करने का भी अनुरोध किया। बहल ने लिखा, फिल्म 'आगरा' पर अपडेट : हमें तथाकथित 'बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों' और छोटी फिल्मों के मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग में फिट न होने के कारण शो नहीं दिए जा रहे हैं। अब यह आप दर्शकों पर निर्भर है! बोलें और चेन को टैग करें। कहें कि आप फिल्म देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''बात फैलाओ। वरना यह यूं ही चलता रहेगा। और बिना सोच वाले 'बचकाने सिनेमा' के अलावा किसी और चीज़ के लिए जगह ही नहीं बचेगी।'' इस फिल्म का विश्व प्रीमियर 2023 के कान फिल्म समारोह के एक स्वतंत्र खंड 'डायरेक्टर्स फ़ोर्टनाइट' में हुआ था। इसने कई सम्मान जीते, जिनमें जियो मामी मुंबई फिल्म समारोह में विशेष जूरी पुरस्कार, मेलबर्न के भारतीय फ़िल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ इंडी फिल्म और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, और 2024 के न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शामिल है। सारेगामा इंडिया लिमिटेड, यूएफओ प्रोडक्शन और ओ28 फिल्म्स के बीच एक भारतीय-फ्रांसीसी परियोजना के तहत आगरा' बहल की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उनकी फिल्म तितली' (2015) का प्रीमियर भी कान में हुआ था।

इंडोनेशिया के बाली में मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त, पांच लोगों की मौत

डेनपसार (इंडोनेशिया)/एपी। चीन के पर्यटकों को ले जा रही एक मिनी बस शुक्रवार सुबह इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे पांच यात्रियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गये। बुलेलेंग रीजेंसी के पुलिस प्रमुख इडा बागुस विडवान सुतादी ने बताया कि मिनी बस एक घुमावदार, ढलान वाली सड़क पर द्वीप के दक्षिणी हिस्से से उत्तरी हिस्से की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से उतरकर एक बगीचे में जा घुसी और एक पेड़ से टकरा गई। सुतादी ने एक बयान में कहा, ''चालक द्वारा सावधानी नहीं बरते जाने के कारण, बस सड़क से उतरकर एक सामुदायिक उद्यान में जा घुसी, जिससे यह हादसा हुआ।'' इसमें कहा गया है कि घायल हुए आठ अन्य यात्रियों का दो अस्पतालों में इलाज कराया गया। इंडोनेशियाई चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इजराइल ने 15 फलस्तीनियों के शव लौटाए : गाजा के स्वास्थ्य अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को और 15 फलस्तीनियों के शव गाजा पट्टी के प्राधिकारियों को लौटा दिए। खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हमास लड़ाकों ने सात अक्टूबर 2023 के हमलों के दौरान बंधक बनाए गए शेष चार इजराइली बंधकों में से एक के अवशेष बृहस्पतिवार रात इजराइल को सौंप दिए, जिसके बाद इजराइल ने भी शुक्रवार को 15 फलस्तीनियों के शव गाजा पट्टी के प्राधिकारियों को लौटा दिए।

यह अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्ध-विराम समझौते की शर्तों को पूरा करने की दिशा में दोनों पक्षों की ओर उठाया गया नवीनतम कदम है। इजराइल ने हमास की ओर से लौटाए गए शव की शिनाख्त मेनी गोडार्ड के शव के रूप में की है, जिन्हें दक्षिणी इजराइल के किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। गोडार्ड की पत्नी ऐलेट हमास के हमले के दौरान मारी गई थीं। हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद की सशस्त्र शाखाओं ने कहा कि गोडार्ड का शव दक्षिणी गाजा में बरामद किया गया। इजराइल और हमास के बीच 10 अक्टूबर को युद्ध-विराम शुरू होने के बाद से 25 बंधकों के अवशेष इजराइल को लौटाए जा चुके हैं। गाजा में अभी भी तीन बंधकों के शव हैं, जिन्हें बरामद करके इजराइल को सौंपा जाना बाकी है। हमास ने 13 अक्टूबर को 20 जीवित बंधकों को इजराइल को लौटा दिया था। प्रत्येक बंधक की वापसी के बदले, इजराइल ने 15 फलस्तीनियों के अवशेष लौटाए हैं, जो युद्ध-विराम के पहले चरण के तहत एक महत्वपूर्ण आदान-प्रदान है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 330 फलस्तीनियों के शव हासिल हुए हैं, जिनमें से केवल 95 की ही औपचारिक रूप से पहचान हो पाई है। उन्होंने कहा कि डीएनए जांच किट की कमी के कारण बाकी शवों की शिनाख्त में मुश्किल पेश आ रही है।

पर्दे पर ऐसे महिला किरदार दिखाने की जरूरत, जो आज की वास्तविकता दिखाते हों : शबाना आजमी

मुंबई। जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) ने दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी को सम्मानित करते हुए एक विशेष सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि पितृसत्ता किस प्रकार महिलाओं और पुरुष दोनों को प्रभावित करती है और इसे पर्दे पर दिखाने की जरूरत क्यों है। पांच बार की राष्ट्रीय पुरसकार विजेता शबाना आजमी ने अपने सफर, सिनेमा में स्त्रीत्व को समझने की उनकी बढ़ती समझ और भारतीय सिनेमा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बदलते स्वरूप पर बातचीत की। बृहस्पतिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 'भारत एक अजीब'' देश है, जहां एक ओर कुछ महिलाएं असाधारण ऊंचाइयां छू रही हैं, वहीं दूसरी ओर आज भी कुछ लड़कियों को जन्म लेते ही दफन कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब यह समझ बढ़ रही है कि हमें ऐसी महिलाओं को पर्दे पर दिखाना चाहिए जो हमारे समय को अधिक सटीक रूप से दर्शाती हों। लेकिन भारत एक अजीब देश है, यह कई सदियों को एकसाथ जीता है। एक तरफ आप देखेंगी कि महिलाएं कितनी ऊंचाई तक पहुंची हैं और दूसरी तरफ आज भी लड़कियों को जन्म के समय ही दफन कर दिया जाता है, सिर्फ इसलिए कि वे लड़की पैदा हुईं। यह विरोधाभास गहराई से पितृसत्ता में निहित है।'

आज़मी ने यह भी कहा कि पितृसत्ता केवल महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी प्रभावित करती है और वह अब एक ऐसे संतुलन को पर्दे पर देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, हम अक्सर भूल जाते हैं कि पितृसत्ता की शिकार महिलाएं ही नहीं, पुरुष भी होते हैं। पुरुषों से कहा जाता है कि वे रो नहीं सकते या कमजोरी नहीं दिखा सकते, क्योंकि वे पुरुष हैं। किसी व्यक्ति के संपूर्ण होने के लिए जरूरी है कि उसके भीतर स्त्री और पुरुष दोनों गुण 50-50 मौजूद हों। जब यिन और यांग का यह संतुलन बनता है, तभी व्यक्ति पूर्ण होता है। मैं भारतीय सिनेमा में ऐसे ही पात्र देखना चाहती हूं। जागरण फिल्म फेस्टिवल का 13वां संस्करण 16 नवंबर को मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित फन रिपब्लिक मॉल के सिनेपोलिस में ग्रांड फाइनल के साथ समाप्त होगा।

दुबई में एक इमारत से गिरने के कारण केरल के किशोर की मौत

दुबई/भाषा। दुबई घूमने आए केरल के एक किशोर की एक इमारत की छत से गिरने के कारण मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'गल्फ न्यूज' की खबर के अनुसार, केरल के कोझिकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुबई आया था और लगभग 15 दिन से दुबई में थीं। ऐसा बताया जा रहा है कि मिशाल सात नवंबर को विमानों की तस्वीरें लेने के लिए एक बहुमंजिला इमारत की छत पर गया था, तभी यह घटना हुई। मिशाल के एक पारिवारिक मित्र हनीफा के. के. ने 'गल्फ न्यूज' से कहा, ''वह यहां अपने चचेरे भाइयों के साथ रह रहा था तथा उसके माता-पिता कोझिकोड में थे। वह लगभग 15 दिन से दुबई में था।'' 'खलीज टाइम्स' ने एक सामाजिक कार्यकर्ता एम. के. के हवाले से बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद मिशाल को राशिद अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। एम. के. ने कहा, उसे कई अंदरूनी चोटें आई थीं।'' उन्होंने बताया कि अस्पताल ले जाए जाने तक मिशाल जीवित था लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई।

खबर के अनुसार, मिशाल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके परिवार में उसके माता-पिता और दो बहनें हैं।

मशहूर अभिनेत्री कामिनी कौशल का 98 साल की उम्र में निधन

मुंबई/भाषा। सन 1946 में नीचा नगर' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली हिंदी सिनेमा की शुरुआती अभिनेत्रियों में से एक मशहूर अदाकारा कामिनी कौशल का उनके मुंबई स्थित घर में निधन हो गया। एक करीबी पारिवारिक मित्र ने यह जानकारी दी। वह 98 वर्ष की थीं। कामिनी कौशल ने 2022 तक कई फिल्मों में अभिनय किया। कभी इंडस्ट्री में सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक कामिनी कौशल ने दिलीप कुमार, देव आनंद और राज कपूर की तिकड़ी के साथ अभिनय किया। कामिनी ने 95 वर्ष की आयु में आमिर खान की 2022 में आई फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में काम किया था। परिवार के एक करीबी मित्र साजन नारायण ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बृहस्पतिवार देर रात मुंबई स्थित घर में कामिनी का निधन हो गया। फरवरी में वह 99 वर्ष की होने वाली थीं। 'शहीद' और 'आग' जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाने वाली कामिनी के परिवार में तीन बेटे श्रवण, विदुर और राहुल हैं।

रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डबलिन/एपी। पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था।

इस मैच में पुर्तगाल को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे। इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा।

फीफा के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार, इसके जज से समूह को गंभीर बेईमानी' के लिए कम से कम दो मैचों का प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। 'हिंसक आचरण' के लिए कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध शामिल है।

कोहनी मारने को अगर हिंसक माना गया तो रोनाल्डो पर तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। फीफा का प्रतिबंध प्रतिस्पर्धी मैचों पर लागू होगा और टूर्नामेंट से पहले के अभ्यास मैचों में नहीं लगाया जा सकता। अवीवा स्टेडियम में लगभग एक घंटे के खेल के बाद जब आयरलैंड 2-0 की आश्चर्यजनक बढ़त बनाए हुए था तब रोनाल्डो ने अपनी दाहिनी कोहनी ओ'शे की पीठ पर मार दी। रेफरी ने पहले पीला कार्ड दिखाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे रेड कार्ड में बदल दिया।

आयरलैंड के प्रशंसकों द्वारा हूटिंग किये जाने के बाद रोनाल्डो ने मैदान से बाहर जाते समय कुछ पल के लिए रुके और प्रशंसकों की ओर देखा। उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में ताली बजाई और व्यंग्यात्मक अंदाज में दोनों हाथों के अंगूठे दिखा। रोनाल्डो फरवरी में 41 साल के हो जायेंगे और उनका लक्ष्य रिकॉर्ड छठे विश्व कप टूर्नामेंट में खेलने का है।

फराह खान अली ने धर्मेंद्र के स्वास्थ्य को लेकर मीडिया कवरेज की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता संजय खान की बेटी और सुजैन खान की बहन, आभूषण डिजाइनर फराह खान अली ने अभिनेता धर्मेंद्र के अस्पताल में भर्ती होने के बाद से उनके स्वास्थ्य को लेकर मीडिया के कवरेज की कड़ी आलोचना की। फराह खान अली की मां जरीन खान का एक हफ़्ते पहले निधन हो गया था। उन्होंने कवरेज की निंदा करते हुए कहा कि सार्वजनिक हस्तियों का भी निजी जीवन होता है। उन्होंने बृहस्पतिवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसके नोट में लिखा था, मेरी मां का छह दिन पहले निधन हो गया था और यहां कुछ लोगों की, शोक प्रकट करने के बजाय इस बात में ज्यादा दिलचस्पी थी कि उन्होंने दाह संस्कार कराना क्यों चुना।

अभिनेता संजय खान की पत्नी जरीन खान का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया और उन्हें दफनाने के बजाय उनका अंतिम संस्कार किया गया। फराह खान अली ने लिखा, धरम अंकल अस्पताल में हैं और उनके परिवार का एक निजी वीडियो वायरल हो रहा है। क्या हम एक राष्ट्र के रूप में लोगों के प्रति इतने असंवेदनशील हैं? क्या सार्वजनिक हस्तियों के परिवार नहीं होते? उन्होंने कहा, ''इंसानियत को क्या हो गया है? यहां हर मूर्ख की अपनी राय क्यों है कि दूसरों को कैसे जीना चाहिए? दुख तो सब पर आता है। जब आपकी बारी आएगी, और यकीन मानिए, आएगी, तो दूसरे लोग आपको वैसे ही तकलीफ देंगे जैसे आपने हमें पहुंचाई है।'' उनकी यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वीडियो के बाद आई है जिसमें अस्पताल में धर्मेंद्र के परिजन दुखी दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता को सोमवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार को उन्हें छुट्टी दे दी गई। इससे पहले मंगलवार को, जब उनके निधन की अफवाहें फैलीं और शोक संवेदनाएं आने लगीं, तो बेटी ईशा देओल और पत्नी हेमा मालिनी ने मीडिया के 'गैर-जिम्मेदाराना' व्यवहार की निंदा की और स्पष्ट किया कि अभिनेता की हालत स्थिर है और उन पर इलाज का असर हो रहा है।

कोई नैतिकता नहीं, कोई जिम्मेदारी का भाव नहीं : अमिताभ बच्चन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अमिताभ बच्चन के आधिकारिक ब्लॉग पर नवीनतम पोस्ट में लिखा गया है, ''न कोई नैतिकता, न कोई जिम्मेदारी का भाव... बस निजी लाभ का एक जरिया।'' उन्होंने शुक्रवार को यह रहस्यमयी पोस्ट साझा की, लेकिन किसी का नाम नहीं लिया। बच्चन (83) ने लिखा, ''न कोई नैतिकता... न कोई जिम्मेदारी का भाव... बस निजी लाभ का एक जरिया, बिना किसी पल की परवाह किए... परेशान करने वाला और घिनौना।''

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''न कोई नैतिकता... कोई भी आचार-नीति नहीं।'' बच्चन का यह पोस्ट शोले' फिल्म में उनके साथ रहे अभिनेता धर्मेंद्र के स्वास्थ्य को लेकर मीडिया में लगातार हो रही कवरेज के बीच आया है। धर्मेंद्र को पिछले दिनों ब्रीच कैंडी अस्पताल में जांच के लिए भर्ती कराया गया था और बुधवार को छुट्टी दे दी गई। उन्हें आगे के इलाज के लिए घर ले जाया गया। पिछले कुछ दिनों से, मीडियाकर्मी अस्पताल और धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल के घर के बाहर डेरा डाले हुए थे, जिसके कारण परिवार ने निजता का सम्मान करने की अपील की थी। सनी देओल ने बृहस्पतिवार को उनके जुहू स्थित घर के बाहर जमा हुए फोटोग्राफरों से भी कड़ी नाराजगी जताई।

अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का 'आकृति 2025' उत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्सव में शामिल हुए विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी

बेंगलूरु। शहर के आरवी रोड स्थित अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में दो दिवसीय अंतरविद्यालय एवं महाविद्यालय उत्सव आकृति 2025' का समापन गुरुवार को हुआ। इस उत्सव का उद्घाटन यूनिबिक फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के उपमहाप्रबंधक प्रकाश गुप्ता व जेएनबी कंपनी के संस्थापक धीरज बाफना ने किया। इस उत्सव में पीयू और विद्यालयों से 400 से अधिक प्रतिभागियों और महाविद्यालयों से 615 से अधिक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यार्थियों ने कार्निवल ऑफ एक्सप्रेशन' विषय पर कई प्रबंधन, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी तथा विभिन्न कॉलेजों का मूल्यांकन किया गया। उत्सव की अध्यक्षता अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की प्रबंधक निदेशक यशस्वी नागोरी, संचार एवं जनसंपर्क और पीआर रवीना नागोरी तथा निदेशक डॉ. गिरीश शामिल थे। इनके अलावा इंस्टीट्यूशंस के अरिहंत पीयू कॉलेज के सीएमए प्राचार्य डॉ एएस गुरुदत्त व कॉर्पोरेट कैंपस के प्राचार्य एम. नागराजा गुप्ता आदि उपस्थित थे।

बारह व्रत श्रावक जीवन की मूल पूंजी है : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय यशवंतपुर तेरापंथ भवन से चातुर्मास सम्पन्न कर साध्वीश्री सोमयशाजी तमिलनाडु की ओर विहार करते हुए होसकोटे पहुंचीं। होसकोटे में सभा के अध्यक्ष धरमीचन्द धोखा ने साध्वियों का स्वागत किया। साध्वीश्री ने कहा कि होसकोटे वासियों की देव, गुरु, धर्म के प्रति बेजोड़ श्रद्धा है। इस मौके पर रात्रिकालीन सत्र में साध्वीश्री ने श्रावक समाज को अपने जीवन के प्रति जागरूक करते हुए 12 (बारह) व्रत कार्यशाला का आयोजन किया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि जीवन को नए दृष्टिकोण से समझने के लिए 12 व्रत अति आवश्यक हैं। जिस प्रकार गाड़ी में ब्रेक का महत्त्व होता है उसी प्रकार जीवन में व्रत का महत्व है। तीन मंजिला मकान की तरह बारह व्रत के तीन विभाग हैं। पहला पाँच अणुव्रत, दूसरा चार शिक्षाव्रत औा तीसरा तीन गुणव्रत है। साध्वीश्री ने उदाहरणों के माध्यम से विभिन्न व्रतों को समझाया। साध्वीश्री सरलयशा जी, ऋषि प्रभाजी ने अपने विचार व्यक्त किए।

'वे फॉरवर्ड टू एक्सपोर्ट' में रेशम क्षेत्र के लिए निर्यात अवसरों पर जानकारी साझा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने शुक्रवार को विदेश व्यापार महानिदेशालय और केंद्रीय रेशम बोर्ड के सहयोग तथा वस्त्र मंत्रालय के समर्थन से होटल ला मारवेला में 'आउटरीच कार्यक्रम-कम वे फॉरवर्ड टू एक्सपोर्ट' का आयोजन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वस्त्र मंत्रालय के व्यापार सलाहकार बिपिन मेनन, अध्यक्ष आईएसईपीसी के डॉ. बिमल मवांडिया, मेजबान सदस्य सचिव केंद्रीय रेशम बोर्ड आईएफएस शिवकुमार, विशिष्ट अतिथि डीजीएफटी बेंगलूरु प्रमुख डोना घोष एवं सीईएसपी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मालिनी एल तंत्री थे।

उन्होंने ब्रिटेन और अन्य विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के मद्देनजर रेशम क्षेत्र के लिए निर्यात अवसरों, वैश्विक रुझानों और सहायता योजनाओं पर जानकारी साझा की।

मुक्ति के लिए अंतरशुद्धि आवश्यक है : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि ईर्ष्या और झूठी प्रशंसा आत्मघाती होती है। द्वेष से ईर्ष्या पनपती है और स्वार्थ झूठी प्रशंसा कराता है।आज संघ, समाज और घर परिवार में ईर्ष्या दोष बढ़ रहा है और इसी कारण आपसी दूरियां और खींचतान बढ़ रही है। भगवान महावीर के दीक्षा कल्याणक प्रसंग पर प्रवचन करते हुए विनयमुनि जी ने कहा कि यह भव भ्रमण एक रण है। यहां खुद का खुद से संघर्ष है। मन कदम-कदम पर भ्रमित करता है और संसार की ओर घसीटता है। संसार के आकर्षण ऐसे लुभावने हैं कि हम धर्म क्रिया के फल का भी सौदा कर लेते हैं। आज क्रियाएं बढ़ रही हैं किंतु अंदर के भाव में अध्यात्म नहीं आ रहा है। शरीर बाहर से कितना भी मोटा हो, महत्व तो आंतरिक शक्ति का होता है। मुक्ति के लिए अंतरशुद्धि आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि हमें भटकाने में हमारी झूठी प्रशंसा भी एक कारण है। प्रशंसा कर्ण प्रिय होती है, लेकिन यह हमें डुबो भी देती है। हम किसी के द्वारा की गई अनावश्यक प्रशंसा से बचें। खुद भी व्यर्थ किसी की प्रशंसा न करें। शब्दों का सही और सार्थक उपयोग करें। स्वार्थ हमें शब्दों में अलंकार के लिए उचकाता है। ऐसे अलंकार व्यवस्था के लिए अनुचित है और सही व्यक्ति से हम वंचित रह जाते हैं। अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महावीर दीक्षा कल्याणक पर कहा कि आज ही से महावीर की स्वयं पर शोध की यात्रा प्रारंभ हुई थी जो जिनवाणी के रूप में हमें मिली है। संघ के उपाध्यक्ष उत्तमचंद तातेड़ ने अतिथियों का स्वागत किया।

चिकमगलूर की ओर विहाररत हैं साध्वीश्री पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वी पुण्ययशाजी राजराजेश्वरीनगर का चातुर्मासिक प्रवास संपन्न कर गुरुदेव की आज्ञानुसार हासन-चिकमगलूर की ओर विहाररत हैं। शुक्रवार को साध्वीश्री कनकपुरा स्थित पिरामिड वैली ध्यान केन्द्र पहुँचीं जहां उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि पिरामिड वैली में प्रवेश करते ही अद्भुत शांति की अनुभूति हुई है। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म में प्राचीनकाल से ही ध्यान की परम्परा रही है। वैली की ऊर्जा तरंगें बहुत अच्छी हैं। एकाग्रता भी लम्बे समय तक रह सकती है। ध्यान करने के पश्चात शरीर में एक विशेष प्रकार की ऊर्जा का अनुभव हुआ। जितेन्द्र घोषल और विक्रम दुगड़ परिवार सहित राजराजेश्वरीनगर सभा के उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, सुशील भंसाली, हेमराज सेठिया, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर आदि ने विहार सेवा में सहयोग किया।

पुरस्कार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के प्रकृति इवेंट्स द्वारा श्रीनगर स्थित सरकारी विद्यालय में बाल दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए। मुणोत ने कहा कि बच्चे हमारे राष्ट्र के भविष्य है, उन्हें हमें सुसंस्कारित बनाते हुए अच्छा नागरिकबनानाहै।

शिष्टाचार भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की पदाधिकारियों ने आचार्यश्री तुलसी दीक्षा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना हेतु बेंगलूरु के राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें आचार्य महाप्रज्ञ जी द्वारा लिखित धर्मचक्र का प्रवर्तन' नामक पुस्तक भेंट की एवं सम्मान किया। मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने आचार्य श्री तुलसी दीक्षा शताब्दी वर्ष के बारे में राज्यपाल को अवगत करवाया। इस मौके पर मंडल की उपाध्यक्षा लता गादिया, मंत्री विजेता रायसोनी, सहमंत्री विनीता मरोठी , संगठन मंत्री प्रमिला धोका आदि उपस्थित थीं।

बच्चों के अधिकारों का दिन है बाल दिवस : राजपुरोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में बाल दिवस के मौके पर शुक्रवार को सर्वप्रथम जवाहरलाल नेहरू के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने कहा कि पंडित नेहरू को बच्चों के प्रति बेहद प्रेम और स्नेह था। 14 नवंबर का दिन पंडित नेहरू के साथ-साथ बच्चों को भी समर्पित है। यह दिन देश में बच्चों के अधिकारों, स्वतंत्रता की रक्षा, उनके स्वास्थ्य व शिक्षा एवं कल्याण पर बात करने का है। आज के दिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि बच्चे केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ें। इस अवसर पर सुरेश बीएन सहित अनेक शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

बालदिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के आलनहली स्थित व सीरवी समाज द्वारा संचालित शाश्वत सेवा स्कूल में शुक्रवार को बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। माँ भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा की गई। प्रधानाचार्य ने बच्चों को शिक्षा के अधिकारों और समग्र विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सन्देश दिया। इस अवसर पर स्कूल के सचिव एमआर चौधरी, चेनाराम परिहार, करमीराम परिहार, प्रधानाध्यापिका पवित्रा एचपी, सह-प्रधानाध्यापक रमेश थायूर सहित शिक्षक, गैरशिक्षण कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

आदर्श कॉलेज ने मैसूरु महाराजा को दिया 'आदर्श कन्नड़ कणमणि पुरस्कार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कॉलेज में मनाया 70वां कन्नड़ राज्योत्सव

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श महाविद्यालय में शुक्रवार को 70वाँ कन्नड़ राज्योत्सव उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस मौके पर कर्नाटक के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करने वाली विशेष प्रदर्शनी का आयोजन मुख्य आकर्षण रही। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मैसूरु राज्य के महाराजा व मैसूर लोकसभा क्षेत्र के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार ने ध्वजारोहण कर माता भुवनेश्वरी की पूजा की। इस अवसर पर आदर्श शिक्षा समूह के अध्यक्ष पदमराज मेहता, कोषाध्यक्ष चेतन मरलेचा, संयुक्त सचिव अरविंद डोसी , अशोक भंसाली सहित अन्य कमेटी सदस्य उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष पूर्ण प्रज्ञा ने किया।

आदर्श ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स की ओर से राष्ट्र एवं राज्य के लिए दिए गए विशेष योगदान के लिए महाराजा यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार को आदर्श कन्नड़ कणमणि पुरस्कार' प्रदान किया गया। राज्योत्सव समारोह में विद्यार्थियों द्वारा कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया तथा राज्य के गौरवशाली इतिहास की जानकारी दी गई । विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्नाटक की कला और संस्कृति की सुंदर झलक दिखी।

अपने हर एक पल का सदुपयोग करना चाहिए मनुष्य को : मुनिश्री विनीत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सौंदती। हुब्बल्ली से चातुर्मास सम्पन्न कर सौंदती पहुंचे तेरापंथ मुनिश्री विनीत कुमारजी एवं पुनीत कुमारजी का स्वागत सौंदती निवासियों ने किया। इस मौके पर मुनिश्री विनीत कुमारजी ने अपने प्रवचन में कहा कि समयं गोयम मा पमायए' का अर्थ है, हे गौतम! समय को व्यर्थ मत गँवाओ। यह भगवान महावीर का उनके मुख्य शिष्य गौतम को दिया गया उपदेश है, जिसमें उन्होंने जीवन की क्षणभंगुरता और अल्पायु को समझाते हुए समझाया है कि मनुष्य को एक पल भी प्रमाद या आलस में नहीं बिताना चाहिए और अपने जीवन का सदुपयोग करना चाहिए। भगवान महावीर का उपदेश का अर्थ है कि एक भी क्षण व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए। जीवन की नश्वरता ओस की बूंद की तरह अस्थायी है और इसमें कई विघ्न (बीमारी, भय, शोक आदि) आ सकते हैं। प्रमाद न करना, इसका मतलब है कि हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण का उपयोग अपने चरम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए करना चाहिए।

मुनिश्री विनीत कुमारजी ने कहा कि सावधानी प्रमाद का विलोम शब्द है। सदा सर्वत्र सावधान रहने वाला साधक ही अपनी साधना में सफलता का मुँह देख पाता है अर्थात् अपने लक्ष्य तक अपनी मंजिल तक पहुँच पाता है। जो सावधान नहीं रहता, उसे हम प्रमादी कहते हैं। प्रमादी समय का मूल्य नहीं समझता। वह भूल जाता है कि जो समय बीत जाता है, वह लौट कर नहीं आता। प्रमाद एक ऐसा अपराध है, जिसका कुफल तत्काल मिलता है, इसी जीवन में दिखाई देता है। अतः क्षण भर के लिए भी प्रमाद न करने की सलाह दी गई है। मुनिश्री पुनीत कुमारजी ने सौंदती के उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को अध्यात्म की राह पर चलने की प्रेरणा दी। मुनिद्वय के सौंदती आगमन पर स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल ने मंगल गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा की तरफ से दिनेश जीरावला ने संतों का परिचय देते हुए स्वागत किया।

भगवान महावीर का संयम समूचे लोक में प्रेरक एवं अनुकरणीय है : साध्वी स्वागतश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भगवान महावीर दीक्षा कल्याणक संयम दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शूले अशोकनगर में आयोजित भगवान महावीर दीक्षा महोत्सव के उपलक्ष्य में साधुमार्गी जैन संघ द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित आह्वानित संयम दिवस' समारोह में साध्वी स्वागतश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर का जन्म राजकुल में क्षत्रियकुंड नगर के राजा सिद्धार्थ की रानी त्रिशलादेवी की रत्नकुक्षि से हुआ। सारे सांसारिक श्रेष्ठ सुख वैभव उन्हें उपलब्ध थे, लेकिन उन्होंने पूर्ण युवावस्था में संयम स्वीकार करके सारे विश्व में त्याग की महत्ता का आदर्श स्थापित किया। उनका त्याग समूचे लोक में प्रेरक एवं अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की पाट परम्परा को आचार्यों ने अपने कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ाया है और आचार्यश्री रामेश ने जिनशासन के सजग प्रहरी के रूप में व्यसनमुक्ति की प्रेरणा, कुरीतियों के उन्मूलन हेतु सामाजिक उत्क्रांति अभियान एवं गत वर्ष संयम शतक का उद्घोष कर उसे इसी नवम्बर माह में परिपूर्ण कर संयम की श्रेष्ठता को प्रतिस्थापित करके जिनशासन को उन्नति की नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

साध्वी निर्ग्रन्थश्री ने संयम के भावों से ओतप्रोत भजन द्वारा सभी को श्रद्धा से विभोर कर दिया। संघ के निवर्तमान मंत्री अशोक जैन ने भगवान महावीर की महान तप साधना एवं क्षमा शीलता को विश्व में अद्वितीय एवं अतुलनीय बताया। अशोक जैन ने साधुमार्गी संघ में बेंगलूरु निवासी वीर परिवारों से दीक्षित संयम वीर साधु साध्वियों के नामों का उल्लेख किया तथा उनके योगदान का उल्लेख किया।इस अवसर पर लालचंद छिंगावत, सविता लुणावत ने भी विचार व्यक्त किए। शूले संघ के मंत्री सुनील मरलेचा ने संचालन किया। शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, साधुमार्गी संघ के अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, मार्गदर्शक शांतिलाल चोपड़ा, मंत्री महावीरचंद चोपड़ा, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक किशोर कर्णावट, पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा सहित समता युवा संघ, महिला मंडल, बहु मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com